भाद्रपद शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 133 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
28 अक्टूबर 2023
शनिवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

भाजपा के चुनाव शिल्पकार शाह ने संभाला मोर्चा, कांग्रेस भी अपने नेताओं की नाराजगी व बगावत से परेशान

डैमेज की थाह लेने पहुंचे शाह कांग्रेस में भी बड़ा अंदेशा उभरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में विधानसभा चुनाव के निर्णायक दौर में पहुंचने की घड़ी आ रही है,वहीं भाजपा और कांग्रेस के भीतर भी कुछ 'निर्णायक' स्थितियां बनने लगी हैं। आज केंद्रीय मंत्री व भाजपा के चुनाव शिल्पकार अमित शाह मप्र में हैं, वे तीन दिन तक मप्र में भाजपा के कैंपेन और बगावत की थाह लेंगे। दरअसल भाजपा ने बीते चार दिन से हर संभाग में तूफानी प्रचार से बगावत के सुरों को थामने और दबाने का अभियान शुरू किया है लेकिन अंदरखाने यह 'आग'तेजी से फैल रही है, पार्टी साठ से ज्यादा सीटों पर असंतुष्टों,नाराजों व बागियों से असहज स्थिति में आ गई है। कांग्रेस की हालत भी बेहतर नहीं है क्योंकि वहां भी करीब इतनी ही सीटों पर बागी सुर हैं तथा अन्य दलों से चुनाव लड़ने के खतरे हैं। पार्टी के प्रदेशअध्यक्ष कमलनाथ आज छिंदवाड़ा से निकलकर प्रियंका गांधी की रैली के लिये दमोह होते हुए भोपाल लौटेंगे। वे लौटकर हालातों को परख सकते हैं। क्योंकि वे तीन दिन से भोपाल से बाहर ही हैं। कांग्रेस अब तक अपना चुनाव प्रचार ही ठीक से सिरे नहीं चढा पाई है।

दिग्विजय की नाराजगी की चर्चा?: इधर वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अपने दौरे निरस्त कर दिये हैं। वे नाराज बताए जा रहे हैं और आज दमोह में प्रियंका गांधी की सभा में भी शामिल नहीं हो रहे हैं। सूत्रों की मानें तो दिग्विजय सिंह टिकट वितरण से लेकर हाल तक के कुछ प्रसंगों के बाद सहज नहीं हैं, उन पर कांग्रेस के भीतर से ही आरोपों या कटाक्षों के जो सुर दबेछिपे उभरे हैं, उसके चलते वे आहत हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि नाथ के निर्देश पर सज्जन वर्मा दो दिन पहले उनसे मिलने पहुंचे थे, हालांकि इसकी पुष्टि कोई नहीं कर रहा। अलबत्ता दिग्विजय सिंह की बीती रात प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवालां से लंबी चर्चा हुई है । एक सूत्र का कहना है कि फिलहाल दिग्विजय के कोई कार्यक्रम नहीं हैं। उनके कार्यालय का इतना ही कहना था कि आज दोपहर बाद वे ***कहीं*** जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सिंह ने करीब दो महीने पूरे प्रदेश का दौरा किया था और संभावित उम्मीदवारों से लेकर मुद्दों कर रिपोर्ट तैयार की थी। वे डैमेज कंट्रोल के लिये भी काम कर रहे हैं।

बुंदेलखंड की नब्ज पर हाथ रखने को कोशिश की प्रियंका ने

दमोह में सभा: पलायन व बेरोजगार पर फोकस, मप्र सरकार पर निशाना

प्रियंका ने सभा में बुंदेलखंड की समस्याओं पर फोकस किया और कहा कि अब राजनीतिक तूतू-मैंमैं बढ़ गई है और यह एक जैसी लगने लगती है लेकिन जनता वास्तविक रूप से दलों या सरकार से क्या चाहती है, यह तय करें। लोगों का जीवन संघर्ष से भरा है, बुंदलेखंड में पलायन बहुत है, इसकी वजह रोजगार नहीं मिलना है। 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगार आज के वक्त है। उन्होंने कहा कि मप्र की भाजपा सरकार ने तीन साल मे महज 21 रोजगार दे सकी है। जबकि कई सरकारी पद खाली पड़े हैं, मप्र में डाक्टरों के ही पद खाली हैं। सार्वजनिक उपक्रमों में रोजगार के बहुत मौके थे, लेकिन सरकार ने देश के बडे पीएसयू अपने उद्योगपतियों को दे दिये हैं। प्रियंका ने कहा कि पहले नोटबंदी से छोटे व्यवसायी की कमर तोड दी, फिर कोरोना में राहत नहीं दी, जीएसटी से मुश्किलें बढ गई। सरकार ने मनरेगा को कमजोर बना दिया व पेट्रोल डीजल खाद की महंगाई से परेशानी बढ गई। पुरानी पेंशन की मांग सबसे ज्यादा है क्योंकि नौकरी भी तो देशसेवा है। मगर इसके लिये पैसा नहीं होने की बात होती है तो उद्योगपति अडानी का कर्ज माफ करने का पैसा कहां से आता है। उन्होंने जातिगत गणना मांग के पीछे भी कांग्रेस का विजन समझाने की कोशिश की।

शाह का जबलपुर-छिंदवाडा से नर्मदापुरम तक मिशन शुरू

भाजपा के वरिष्ठ नेता आज भी विभिन्न जिलों के प्रवास पर हैं। आज केंद्रीय मंत्री व चुनाव शिल्पकार अमित शाह की मप्र मे मौजूदगी भी मौजूदा हालातों के चलते खास बन गई है। वीडी शर्मा ने दोपहर गृह मंत्री शाह का जबलपुर एयरपोर्ट पर स्वागत व अगवानी की। शाह रघुनाथ शाह, शंकर शाह की प्रतिमा पर के बाद जबलपुर में संभागीय बैठक में शामिल होंगे। वे छिंदवाडा के जुन्नारदेव में जनसभा को संबोधित करेंगे तथा भोपाल में शाम को नर्मदापुरम की संभागीय बैठक में शामिल होंगे। शाह का जबलपुर दौरा इसलिये भी खास है ?क्योंकि वहां टिकट को लेकर बवाल मचा हुआ है। वहां केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भी हंगामे का शिकार हुए थे। शाह हर संभाग के नेताओं से बात करके बगावत व नाराजगी को तौलने की कोशिश के मिशन पर हैं। उधर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुरहानपुर, धार, खरगौन, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा छिंदवाडा, जबलपुर, केंद्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार खटीक भोपाल, कैलाश विजयवर्गीय जबलपुर नरोत्तम मिश्रा सीहोर में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

हम राम प्रेमी इसलिए राम के पोस्टर लगा रहे, वे बाबर का पोस्टर लगाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि 22 जनवरी 2024 वह तारीख है जब प्रभु श्रीराम अपने मंदिर में विधि विधान से विराजित होंगे।जब से यह बात पीएम मोदी ने जनता के साथ साझा की है तब से सनातन विरोधी कांग्रेसियों में खलबली मची है। जो सोनिया भक्त कांग्रेसी चुनावी राम भक्त बन रहे थे उनका बाबर के प्रति प्रेम बाहर निकलने लगा है। ऐसे लोग कभी कांग्रेसी प्रभु श्रीराम के होर्डिंग की शिकायत करते है तो कभी बाबरी मस्जिद की शाहदत पर अपने मन की पीडा को बाहर लाते है। वीडी ने कहा कि सोनिया गांधी के इशारे पर कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष का *बाबरी मस्जिद शहीद होने* का बयान कांग्रेस का मुगलों के प्रति प्रेम और सनातन के प्रति घृणा को प्रदर्शित करता है। प्रियंका गांधी आज दमोह के दौर पर है उन्हें देश के हिन्दुओं से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि राजनीति होती रहेगी पर आस्थाओं के साथ खिलवाड़ और मजाक देश स्वीकार नहीं करेगा। जिन कांग्रेसियों के मन में और जुबान पर आज भी 'बाबरी मस्जिद शहीदी' की पीड़ा है, उनका चुनावी राम भक्त बनना केवल और केवल पाखंड है। जबकि बाबरी विध्वंस के बाद भाजपा की मप्र समेत चार राज्य सरकारों को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बर्खास्त किया था। जिसे बाद में सुप्रीमकोर्ट ने असंवैधानिक बताया था।

मोदी का पत्र पहुंचायेंगे: शर्मा ने कहा कि 29 अक्टूबर को प्रदेश के 64 हजार 523 बूथों पर भाजपा के 41 लाख कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनकर प्रदेश को लिखी गई उनकी स्नेहिल चिट्ठी को घर-घर तक पहुंचाने का काम करेंगे।

किसानों से छल, कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस के मध्यप्रदेश प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने तीन दिन में दूसरी बार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और सरकार को घेरा है। भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उन्होंने कहा, 'फसल के दाम मांगने पर भाजपा ने किसानों के सीनों पर गोलियां चलाई। शिवराज सरकार ने किसानों के साथ हमेशा छल किया है।'

कोटा: जिस बाघ को मरहम लगाया उसी ने ली जान

नई दिल्ली , कोटा

राजस्थान के कोटा में एक बाघ ने अपने ही केयर टेकर की जान ले ली। अधिकारियों ने कहा कि अभेदा जैविक उद्यान में बाघ के बाड़े की देखभाल करने वाले पर बाघ ने हमला कर दिया।

जिस वक्त बाघ ने ये हमला किया उस वक्त उसका इलाज चल रहा था। घटना कल शाम हुई जब देखभाल करने वाले रामदयाल नागर बाघ की चोट पर दवा (मरहम) लगाकर लौट रहे थे। वन संरक्षक, बिजो जॉय ने कहा कि बाघ के हमले में केयरटेकर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। खबरों के मुतबिक हमले में नागर की गर्दन कट गई थी। उसने बताया कि केयर टेकर द्वारा बाघ पर दवा छिड़कने के बाद बाड़े का गेट शायद खुला रह गया था। नागर जब बाहर जा रहे थे, तो दवा दिए जाने के बाद गुस्साए बाघ ने उन पर हमला कर दिया।

केरल में हमास नेता की वचुर्अल मौजूदगी से मचा बवाल

तिरूवनंतपुरम एजेंसी। केरल के मल्लपुरम में फिलिस्तीन के समर्थन में निकाली रैली में हमास नेता खालिद मशेल के वर्चुअल संबोधन से बवाल मच गया है। भाजपा ने एक्शन की मांग की है। हमास नेता खालिद मशेल ने मलप्पुरम में सॉलिडेरिटी युवा आंदोलन द्वारा आयोजित युवा प्रतिरोध रैली में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया है। एकजुटता युवा आंदोलन जमात-ए-इस्लामी की यूथ विंग है जिसने इस रैली का आयोजन मलप्पुरम में किया। इसमें ÷बुलडोजर हिंदुत्व और रंगभेदी यहूदीवाद को उखाड़ फेंको का नारा दिया गया।

महुआ ने कबूला कि लॉगिन-पासवर्ड कारोबारी को दिया था लेकिन...

ओटीपी तो मेरे पास ही आता है

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा के बीच तकरार थमने का नाम नहीं ले रही है। दोनों एक दूसरे पर वार- पलटवार कर रहे हैं। इस बीच, लोकसभा सांसद मोइत्रा ने एक इंटरव्यू में कैश फॉर क्वेरी मामले में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आरोप को कोई भी लगा सकता है, लेकिन उसको साबित करने की जिम्मेदारी शिकायतकर्ता की होती है।

हालांकि मोइत्रा ने कबूल किया है कि उन्होंने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी को अपना संसद लॉगिन और पासवर्ड दिया था क्योंकि ऐसा कोई नियम नहीं है कि किसके पास लॉगिन हो सकता है, कौन कर सकता है और कौन नहीं। उन्होंने कहा कि कोई भी सांसद खुद सवाल नहीं पूछता है। मोइत्रा ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है करते हुए कहा, 'पासवर्ड से सिर्फ लॉगिन नहीं किया जा सकता है। उसके लिए एक ओटीपी आता है और यह केवल मेरे फोन पर आता है। यह दर्शन हीरानंदानी के फोन पर नहीं जाता है।

जब मैं ओटीपी देती हूं, तभी प्रश्न दायर किए जाते हैं।' महुआ ने यह भी कहा, 'उन्होंने धमकाने के लिए गलत व्यक्ति को चुना गया है। मगर कुछ छोटे झारखंडी पिटबुल सबकुछ खत्म नहीं कर सकते हैं। मैं सच के लिए लड़ना जारी रखूंगी और आप देखेंगे कि 2024 में क्या होता है।'

मुकेश अंबानी को 20 करोड़ न देने पर मारने की धमकी

मुबंई एजेंसी। देश की सबसे बड़ी कंपनी के मालिक और रईस उद्योगपति मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने मुकेश अंबानी से 20 करोड़ रुपये की मांग की है, और कहा है कि पैसे नहीं देने पर जान से हाथ धोना पड़ेगा। पुलिस के मुताबिक 27 अक्टूबर को मुकेश अंबानी की कंपनी के ईमेल आईडी पर एक अज्ञात शख्स ने ये धमकी भरा ईमेल भेजा। ईमेल में अंग्रजी में लिखा है, यदि आपने हमें 20 करोड़ नहीं दिये तो हम आपको जान से मार देंगे। इस ईमेल के मिलने के बाद मुकेश अंबानी के सिक्योरिटी इंचार्ज की शिकायत के आधार पर मुंबई के गामदेवी पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ई-मेल में यह भी लिखा है कि पैसे नहीं देने पर वो मुकेश अंबानी पर हमला करवा सकता है।

सोलापुर ड्रग्स मामले का मुख्य आरोपी पकड़ाया

मुंबई । मुंबई क्राइम ब्रांच ने सोलापुर ड्रग्स मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी हैदराबाद से हुई है। बता दें कि हाल ही में मुंबई क्राइम ब्रांच ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक फैक्ट्री पर छापा मारा था और 16 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स पकड़ी थी। साथ ही छापेमारी में 100 करोड़ रुपये का कच्चा माल भी पकड़ा गया था। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था, दोनों आरोपी भाई हैं। वहीं मुख्य आरोपी फरार था।

कैदियों ने जलाया रावण का पुतला, 4 अधिकारी निलंबित

पणजी । गोवा की कोलवले केंद्रीय जेल के चार अधिकारियों को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जेल के कैदी रावण का पुतला जलाते दिख रहे हैं। जेल महानिरीक्षक ओमवीर सिंह ने आज सहायक अधीक्षक चंद्रकांत हरिजन, जेलर महेश फडते और अनिल गांवकर तथा सहायक जेलर रामनाथ गौडे को निलंबित करने का आदेश जारी किया।

मेट्रो एंकर | यूएन की डरावनी रिपोर्ट, भारत के उत्तर पश्चिमी भाग में बढ़ेगा संकट

दो साल बाद शुरू होगा भूजल खत्म होने का काउंट डाउन!

नई दिल्ली, एजेंसी।

पानी के बिना जीवन कैसा होगा.. यह कल्पना डराती है लेकिन संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट वाकई डराने वाली है, इसमें कहा गया है कि भारत में भी दो साल बाद जलसंकट का आकार बढ सकता है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में सिंधु-गंगा के मैदान के कुछ क्षेत्र पहले ही भूजल की कमी के खतरनाक स्तर को पार कर चुके हैं। उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में साल 2025 तक कम भूजल उपलब्धता का गंभीर संकट होने का खतरा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट 2023' शीर्षक से संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय-पर्यावरण और मानव सुरक्षा संस्थान ने इस शोध को प्रकाशित किया है। रिपोर्ट में दुनिया के 6 अहम खतरों की तरफ ध्यान दिलाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया अभी 6 ऐसे खतरे के पास पहुंच गई है जो खतरनाक है। रिपोर्ट कहती है कि बताया जाता है कि धरती पर जो चक्र है उसको बर्दाश्त करने की एक सीमा होती है। अगर यहां अचानक कोई बड़े बदलाव होते हैं तो वो अपरिवर्तनीय होते हैं, जिससे इको सिस्टम, जलवायु के पैटर्न और पूरे पर्यावरण पर गहरा और कभी-कभी बेहद विनाशकारी असर होता है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि भूमिगत जल स्रोत खुद भी अब खत्म होने की कगार पर पहुंच रहे हैं। दुनिया के आधे से अधिक प्रमुख भूमिगत जल स्रोत प्राकृतिक रूप से फिर से भरने के बजाय तेजी से कम हो रहे हैं।

यह हैं 6 अहम खतरे

⇨तेजी से विलुप्त होना ⇨भूजल की कमी ⇨ पर्वतीय ग्लेशियर का पिघलना ⇨अंतरिक्ष मलबा ⇨असहनीय गर्मी ⇨अनिश्चित भविष्य

कई देशों में भूजल संकट

सऊदी अरब जैसे कुछ देश पहले ही भूजल की कमी से जूझ रहे हैं। जबकि भारत समेत अन्य देश इससे ज्यादा दूर नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है, जो अमेरिका और चीन के संयुक्त उपयोग से अधिक है। भारत का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र देश की बढ़ती 1.4 अरब आबादी के लिए 'रोटी की टोकरी' के रूप में कार्य करता है, जिसमें पंजाब और हरियाणा राज्य देश में चावल उत्पादन का 50 प्रतिशत और 85 प्रतिशत गेहूं भंडार का उत्पादन करते हैं। पंजाब में 78 प्रतिशत कुओं का भूजल के लिए बेहद ज्यादा उपयोग किया जाता है और पूरे उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में 2025 तक गंभीर रूप से कम भूजल उपलब्धता का अनुभव होने का अनुमान है।'

भगवान का नोका बिहार

भोपाल। शरद पूर्णिमा के पहले चंद्र ग्रहण के कारण हिंदू उत्सव समिति ने शीतल दास की बगिया पर देर रात भगवान को नोका बिहार करते हुए । फोटो निर्मल व्यास

महर्षि वाल्मीकि जयंती आज

भोपाल के चौकी इमामबाड़ा में वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि समाज द्वारा आरती कर हवन किया गया इस मौके पर मंदिर के सचिव शैलेंद्र चौहान ने बताया विगत कई सालों पुराना मंदिर है हमारे पूर्वजों के जमाने का है जहां पर बड़ी धूमधाम से वाल्मीकि जयंती पर्व मनाया जाता है इस मौके पर सभी समाजवासियों को में वाल्मीकि जयंती पर शुभकामनाएं दी और भंडारे में शामिल होने की अपील की।

आज ग्रहण के साए में शरद पूर्णिमा

ग्रहण 40 मिनट तक अपनी ओट में रखेगा चमकती चांदनी को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चांद की चमकीली चांदनी और खीर दूध के भोग के लिए मशहूर शरद पूर्णिमा पर इस बार ग्रहण का साया है। आज मध्यरात्रि में यही चांद अपनी चमक को खोता नजर जाएगा। पृथ्वी से इस समय लगभग 3,69,425 किमी दूर स्थित चंद्रमा आंशिक चंद्रग्रहण के कारण कुछ घंटे पृथ्वी के साये में रहेगा। इसके लिये दोपहर से सूतक भी लग गया है। घरों में पारंपरिक पूजा अर्चना व चांदनी में दूध रखने का सिलसिला भी इस बार नहीं है। अलबत्ता साइंस सेंटर में रात दो बजे तक दूरबीन के जरिये चंद्रग्रहण को देखने की व्यवस्था की गई है।

वहीं नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने चंद्रग्रहण के वैज्ञानिक तथ्यों को बताने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने बताया कि इस चंद्रग्रहण की शुरुआत उपछाया ग्रहण से 28 अक्टूबर को रात 11 बजकर 31 मिनट के कुछ बाद होगी, लेकिन महसूस होने वाला आंशिक ग्रहण मध्यरात्रि के बाद एक बजकर पांच मिनट आरंभ होगा, जो रात एक बजकर 44 मिनट पर अधिकतम ग्रहण की स्थिति होगी। यह आंशिक ग्रहण रात लगभग दो बजकर 23 मिनट पर समाप्त हो जाएगा लेकिन इसके बाद भी उपछाया ग्रहण तो चलता रहेगा जो पूरी तरह तीन बजकर 57 मिनट पर समाप्त होगा। इस तरह वैज्ञानिक रूप से ग्रहण की कुल अवधि चार घंटे 25 मिनट होगी, लेकिन महसूस होने वाले आंशिक ग्रहण की कुल अवधि एक घंटे 17 मिनट होगी।

ग्रहण की स्थिति और कारण

पृथ्वी जब चंद्रमा और सूर्य के बीच होती है तो इसके द्वारा सूर्य का प्रकाश रोक लिया जाता है और सूर्य का पूरा प्रकाश चंद्रमा पर नहीं पड़ता है, अर्थात चंद्रमा पर पृथ्वी की छाया पड़ती है, इसे चंद्रग्रहण कहा जाता है। जब चंद्रमा, पृथ्वी की उपछाया में होता है तो उस समय उपछाया ग्रहण होता है। जब चंद्रमा का कुछ भाग पृथ्वी की घनी छाया वाले भाग में आता है तो आंशिक चंद्रग्रहण होता है। इस बार यह दोनों ही स्थितियां बन रही हैं।

इन देशों में दिखेगा चंद्रग्रहण

चंद्रग्रहण की यह घटना भारत सहित एशिया, आस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका सहित हिंद महासागर के अधिकांश भागों से दिखाई देगी। इस तरह गणितीय अनुमान के अनुसार उपछाया ग्रहण का कुछ न कुछ भाग इस विश्व की लगभग 92.14 प्रतिशत जनसंख्या और आंशिक ग्रहण को 87.07 प्रतिशत जनसंख्या देख सकेगी।

युवती के साथ सहेलियों ने की मारपीट, दोस्त ने छेड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर दो सहेलियों और उनके दोस्त के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मंडीदीप रायसेन निवासी 21 वर्षीय युवती जहांगीराबाद इलाके में रहती है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। वहीं रहने वाली दो अन्य युवतियों से उसकी जान-पहचान है। बुधवार रात करीब दस बजे युवती कुछ सामान खरीदने के लिए एमपी नगर गई थी, जहां उसकी दोनों युवतियों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर दोनों ने युवती के साथ मारपीट कर दी, जबकि उनके साथ मौजूद रोबिन नामक युवक ने युवती के साथ अश्लील हरकत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार पुस्तकों का विमोचन

भोपाल। लेखक के.सी. दुबे की चार पुस्तकों, रहस्य, योद्धा, ब्लैकमेल एवं विक्रम और बेताल रिटर्न का विमोचन किया गया। इस मौके पर साहित्यकार कैलाश चंद्र पंत, विजय जय दत्त श्रीधर , राजेंद्र शर्मा रामराव वामनकर एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेश सिरोठिया उपस्थित थे। वक्ताओं ने दुबे के संपूर्ण रचना कर्म पर प्रकाश डालते हुए पुस्तकों की सारगर्भित समीक्षा की।

नई व्यावसायिक रणनीति है ब्लू ओशन स्ट्रैटेजी

ब्लू ओशन डायलॉग वर्कशॉप का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर वुमेन ने यंग इंडियंस के सहयोग से ब्लू ओशन डायलॉग वर्कशॉप का आयोजन किया। ब्लू ओशन स्ट्रैटेजी एक नई प्रकार की व्यावसायिक रणनीति है जो आवश्यक रूप से प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करने पर निर्भर नहीं करती है, बल्कि अपना अवसर बनाने और मौजूदा बाजार से बाहर निकलने का अपना रास्ता तलाशने पर निर्भर करती है।

श्वेता सिंह कटारिया, बेंटो किचन्स की सह-संस्थापक, ने ब्लू ओशन के बारे में जानकारी दी। वाईआई के भोपाल चैप्टर 2023 की युवा अध्यक्ष कुहू शर्मा एवं वाईआई चेयरपर्सन 2023-24 शिवेंद्र अग्रवाल, ने वाईआई के वर्टिकल्स के बारे में बताया। मूल्यांकन पैनल में वैभव कपूर, सिविल इंजीनियर, शोभित जैन, मार्केटिंग प्रोफेशनल, एवं डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा, प्रोफेसर, एसएचआईएम शामिल थे।

शिवेंद्र अग्रवाल ने ÷वाईआई फरिश्ते÷ के बारे में बताया कि हमें अजनबियों की भी सहायता करनी चाहिए, खासकर सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों की सहायता। यह प्रतियोगिता प्रदूषण, बेरोजगारी, जातिवाद, और मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों की पहचान पर केंद्रित था। इस प्रतियोगिता में छात्राओं को 6 टीमों में बांटा गया। छात्राओं ने इन मुद्दों पर आधारित बि?नेस प्लान प्रस्तुत किए। सोनाली कुशवाहा, सोनम सिंह, एवं शिखा वर्मा ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही, लविशा कुकरेजा, गरिमा रावत, अंशिका शर्मा, हर्षिता पाटिदार, चंचल खत्री, निवेदिता शर्मा, एवं दीपाली बर्मन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस वर्कशॉप के माध्यम से एसएचआईएम और यंग इंडियंस ने भोपाल के उद्यमिता के सृजनात्मक दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया हैं।

युवती का रास्ता रोककर युवक ने की अश्लील हरकत, मारपीट

भोपाल। बागसेवनिया पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर परिचित युवक के खिलाफ रास्ता रोककर छेड़छाड़ और विरोध करने पर मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक बीस वर्षीय युवती प्रायवेट काम करती है। वह पहले जिस कालोनी में रहती थी, वहां रहने वाले धीरज बंसल नामक युवक से उसकी जान-पहचान थी। एक ही मोहल्ले में रहने के कारण दोनों के बीच बातचीत भी होती थी। बाद में युवती दूसरे जगह रहने के चली गई और धीरज से बातचीत करना बंद कर दिया। उसके बाद से वह युवती का पीछा कर उसे परेशान करने लगा। बीती 21 अक्टूबर की शाम करीब पांच बजे युवती एम्स अस्पताल के पास से निकल रही थी, तभी धीरज ने उसका रास्ता रोक लिया और बुरी नीयत से हाथ पकड़ कर अश्लील हरकत करने लगा। युवती ने जब इसका विरोध किया तो धीरज ने मारपीट कर दी और भाग निकला।

रामेश्वर-सबनानी एक दूसरे का चुनाव प्रचार करेंगे

हुजूर-दक्षिण पश्चिम पर भाजपा का प्रचार फार्मूला

रीतेश कुमार, भोपाल। रीतेश नाथानी

भाजपा ने भोपाल की दो सीटों पर प्रचार की रणनीति तैयार की है, सिंधी बाहुल्य क्षेत्र में संतनगर में बीजेपी प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा का प्रचार करने दक्षिण पश्चिम के पार्टी प्रत्याशी भगवान दास सबनानी को हुजूर में प्रचार के लिए आएंगे। दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट पर भगवादास सबनानी का प्रचार प्रसार करने रामेश्वर शर्मा जाएंगे, जो हिन्दू वोटों का समीकरण साधेंगे।

आचार संहिता की सख्ती के चलते चुनाव में अब माइक का शोर, बैनर पोस्टरों की भरमार नहीं है। लेकिन सोशल मीडिया का भाजपा और कांग्रेस जमकर उपयोग कर रहे हैं। इंस्टाग्राम, यू ट्यूब, फेस बुक के लिए अगल-अलग टीमें काम कर रही हैं। मतदाताओं के फोन पर कॉल और एसएमएस भी आ रहे हैं।

भाजपा ने तय किया फार्मूला

हुजूर में सिंधी और दक्षिण पश्चिम में ब्राह्मणों के वोटों को साधने के लिए भाजपा ने फार्मूला तय किया है। हुजूर से कांग्रेस ने सिंधी भाषी नेता नरेश ज्ञानचंदानी पर दोबारा भरोसा जताया है। भाजपा ने सिंधी भाषी नेता भगवान दास सबनानी को दक्षिण पश्चिम से टिकट दिया है। भाजपा ने तय किया संतनगर में सिंधी समाज के बीच सबनानी रामेश्वर के लिए और रामेश्वर दक्षिण पश्चिम में प्रचार करेंगे। सबनानी की सिंधी समाज की सामाजिक संस्थाओं में सक्रियता के चलते अच्छी पकड़ है। वैसे राजनीतिक दूरियों की बात करें तो रामेश्वर-भगवानदास में 36 का आंकड़ा है। सूत्रों का कहना है चुनाव की नाजुक की परिस्थितियों दोनों पार्टी के कहने पर एक दूसरे के लिए काम करेंगे।

हुजूर में डागा बनेंगे मुसीबत

कांग्रेस हुजूर विधानसभा सीट पर कभी जीत नहीं सकी है। 2018 के चुनाव में नरेश ज्ञानचंदानी को टिकट देकर सिंधी समाज को परखने की कोशिश कांग्रेस ने की थी। इस चुनाव ज्ञानचंदानी को रामेश्वर शर्मा से मात मिली थी। कांग्रेस से टिकट की उम्मीद लगाकर साल 2018 में भाजपा के पूर्व विधायक जितेन्द्र डागा ने कांग्रेस का हाथ थामा था, लेकिन 2023 में पार्टी से टिकट न मिलने पर वे बागी हो गए हैं। डागा लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय थे। डागा की मौजूदगी कांग्रेस के लिए मुसीबत पैदा करेगी।

मेट्रो एंकर चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल में स्वागत कार्यक्रम

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल गांधीनगर में सीएचआई संस्थान की प्रेसिडेंट डॉ. दीना पहलाजानी एवं सीएचआई-यूएसए की सम्मानित सदस्य कालिका भाटिया का आगमन हुआ। विद्यालय परिवार ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संतजी, माँ सरस्वती और माँ भारती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुआ। छात्राओं ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत गया और रंगारंग नृत्य के साथ ही शिक्षकों के सम्मान व नेत्रों की सुरक्षा विषय पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गयी।

इस अवसर पर शहीद हेमू कालानी एज्युकेशन सोसायटी के हीरो ज्ञानचंदानी, ए सी साधवानी, घनश्याम बूलचंदानी, जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी, सेवासदन के मैनेजमेंट ट्रस्टी एल सी जनियानी, संस्था के डायरेक्टर एकेडेमिक्स गोपाल गिरधानी, सेवासदन आई हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी पीएस राठौर एवं विद्यालय की प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा ने दोनों विशिष्ट अतिथियों डॉ. दीना पहलाजानी व कालिका भाटिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। विद्यालय की प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा ने विद्यालयीन गतिविधियों व छात्राओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने अतिथियों द्वारा किए जाने वाले सेवा कार्यों व बालिकाओं की शिक्षा में उनके योगदान से सभी को परिचित कराया। डॉ. दीना पहलाजानी व दीदी कालिका भाटिया ने कहा सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। मेहनत और लगन से पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हुए जीवन में आगे बढें।

अतिथियों द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा के प्रतीक स्वरूप पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से अतिथिद्वय को भेंट स्वरूप श्रीफल व शरोफा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका शिल्पी गुप्ता ने किया।

नौवीं कक्षा में हजारों विद्यार्थियों का नामांकन उम्र के बंधन से अटका, 31 अक्टूबर है अंतिम तिथि

माशिमं के प्रवेश संबंधी नए नियम ने विद्यार्थियों को किया परेशान, प्राचार्यों ने कई पत्र लिखे, लेकिन नहीं हो रही कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) का एक नया नियम नौवीं कक्षा में नामांकन के लिए हजारों विद्यार्थियों की राह में बाधक बन गया है। माशिमं की प्रवेश नीति में विरोधाभास से इन विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर है। माशिमं के इसी साल लागू किए गए नियमों से ये विद्यार्थी परेशान है। स्कूल प्राचार्यों ने इस संदर्भ में माशिमं को कई पत्र लिखे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

मंडल ने नौवीं कक्षा में नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 13 वर्ष तय की, इसमें अध्ययनरत कई विद्यार्थियों की उम्र इससे कम, इसलिए नहीं हो रहा नामांकन

दरअसल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मप्र स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष से पहली कक्षा में बच्चे के प्रवेश की न्यूनतम आयु पांच वर्ष कर दी है। इसके अनुसार माशिमं ने भी इसी साल से नौवीं के नामांकन में न्यूनतम आयु 13 साल कर दी है, जबकि कई विद्यार्थी शासकीय स्कूलों में आठवीं तक निरंतर पढ़ते हुए वर्तमान में 12 साल उम्र तक के भी है, लेकिन मंडल 31 दिसंबर 2010 के बाद के जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का नौवीं में नामांकन नहीं कर रहा है। इससे हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का अभी तक नामांकन नहीं हो पाया है, जबकि नामांकन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है।

इस तरह हो रहे हैं परेशानी

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव को शासकीय कन्या उमावि निवाली जिला बड़वानी सहित कई प्राचार्यों ने पत्र भेजे। जिसमें लिखा है कि स्कूल के नौवीं में उन विद्यार्थियों का नामांकन नहीं हो पा रहा है, जिनकी जन्मतिथि 31 दिसंबर 2010 के बाद की है। इस वजह से स्कूल की आठ छात्राओं का नामांकन नहीं हो पाया है, जबकि सभी छात्राएं नौवीं में निरंतर अध्ययनरत है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा उन्हें आठवीं बोर्ड परीक्षा की अंकसूची भी जारी कर दी गई है।

नए नियम से उपजी विसंगति

मप्र स्कूल शिक्षा विभाग प्रारंभिक कक्षा के नाम पर बच्चों को 3 से 5 साल की उम्र में आंगनबाड़ी में प्रवेश दिलाता है। इसके बाद विद्यार्थी चार या पांच साल की उम्र में पहली कक्षा में प्रवेश लेते है। आठवीं पास करने के बाद विद्यार्थियों की उम्र 12 या 13 साल के आसपास होती है। लेकिन राज्य शिक्षा केंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पहलीं में प्रवेश की न्यूनतम आयु इस वर्ष से पांच साल कर दी है। इससे आठवीं पास होने तक विद्यार्थी 13 साल की उम्र का होगा, लेकिन यह नियम इसी साल से लागू हुआ है। जिन विद्यार्थियों ने आठ साल पहले प्रवेश लिया, उनके लिए भी मंडल ने यह नियम लागू कर दिया। जिससे हजारों की संख्या में ऐसे विद्यार्थियों का नामांकन नहीं हो पा रहा है, जिनकी उम्र 13 साल से कम है।

मतदान के दिन बिजली कटौती न करने के निर्देश, बंद रहेंगी शराब दुकानें

चुनाव आयोग एक्शन में, सरकार को बेहतर इंतजामों के आदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव के मतदान के दिन यानि 17 नवंबर को सभी 64523 मतदान केंद्रों पर बिजली की आपूर्ति से लेकर अन्य इंतजामों का राज्य निर्वाचन आयोग बारीकी से परीक्षण कर रहा है। आयोग ने सरकार को निर्देश दिये हैं कि बिजली गुल होने जैसी कोई बाधा इस दिन किसी भी मतदान केंद्र में नहीं आना चाहिये। उल्लेखनीय है कि भोपाल समेत प्रदेशभर में बिजली कटौती का घोषित और अघोषित दौर रोज ही चल रहा है। इसके अलावा मतदान केंद्रों पर पीने का पानी, रैंप, व्हीलचेयर, बैठक व्यवस्था और मतदान केंद्रों तक आवागमन के लिए सड़क की व्यवस्था बेहतर रखने के लिये भी आयोग ने निर्देश दिये हैं। निर्वाचन संबंधी कार्यो के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति जल्द होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मतदान के दिन की व्यवस्था को लेकर एक बैठक बुलाई तथा सबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए।

शराब की बिक्री पर रहेगी रोक

राजन ने विभाग से कहा कि सीमावर्ती राज्य के अधिकारियों के साथ बैठक करें। मतदान एवं मतगणना दिवस पर शराब की बिक्री पर रोक के आदेश जारी किए जाएं। मतदान के दिन प्रदेश के समस्त संस्थानों में कार्यरत मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सके। इसके लिए अवकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मतदान के दिन मतदान कर्मियों के स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जिला अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं निजी अस्पतालों में भी व्यवस्था की जाए। इसके अलावा सभी विभाग निर्वाचन कार्यालय से भेजी जाने वाली शिकायतों का 24 घंटे में निराकरण कर उसकी जानकारी उपलब्ध कराएं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निर्वाचन की समाप्ति तक प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति बनाए रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

डाक मतपत्र सुविधा

17 नवंबर को मतदान के दिन ड्यूटी में होने पर चार विभागों के शासकीय सेवकों को डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा मिलेगी। अत्यावश्यक सेवाओं में संलग्न होने के कारण स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, गृह विभाग (अग्निशमन सेवाएं) और ऊर्जा विभाग के कर्मचारी डाक मतपत्र से मतदान कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में उमा भारती नहीं

मप्र में विस चुनाव के लिये भाजपा ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में दिग्गज नेताओं के बीच पूर्व सीएम और भाजपा की फायरब्रांड नेत्री उमा भारती का नाम नहीं है। भाजपा ने मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची तय की है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम सबसे ऊपर है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी हैं। भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में असम के मुख्यमंत्री हेंमत सरमा शर्मा का नाम भी है। इसके अलावा शिवप्रसाद, शिवराज सिंह चौहान, सत्यनारायण जटिया, वीडी शर्मा, अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल, नरेंद्र सिंह तोमर, स्मृति ईरानी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और भूपेंद्र यादव का नाम भी है। भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में अश्विनी वैष्णव, वीरेंद्र कुमार खटीक, अनुराग ठाकुर, देवेंद्र फडनवीस, कैलाश विजयवर्गीय, केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, फग्गन सिंह कुलस्ते, प्रहलाद पटेल, एपी सिंह बघेल, कृष्णपाल सिंह गुर्जर, मनोज तिवारी, जयभानसिंह पवैया, हितानंद, नरोत्तम मिश्रा, गोपाल भार्गव, राजेंद्र शुक्ल, लालसिंह आर्य, कविता पाटीदार, उमाशंकर गुप्ता, गणेश सिंह, गौरीशंकर बिसेन और रामलाल रौतेल का नाम भी है।

सरकार पर दोहरे मापदंड का आरोप

आईपीएस, आईएएस को ओपीएस और कर्मचारियों को एनपीएस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य सरकार ने अखिल भारतीय सेवा के आईपीएस एवं आईएएस अफसर नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओपीएस का लाभ देने का रास्ता निकाल लिया है, इससे मप्र के कई कर्मचारी व उनके संगठन नाराज हैं। इनका कहना है कि मध्यप्रदेश शासन ने राज्य सेवा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओपीएस का लाभ देने की पहल तक शुरू नहीं की है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 5 अक्टूबर 23 को पांच आइएएस संजीव सिंह राहुल जैन जीबी रश्मि ए आर रघुराज एवं जान किंग्सली को नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओपीएस का लाभ देने का आदेश सामान्य प्रशासन विभाग से जारी किया था। अब सरकार ने पांच आईपीएस इरशाद अली संजय कुमार, गौरव राजपूत, सुशांत सक्सेना व डॉ आशीष को नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओपीएस का लाभ देने का आदेश गृह विभाग से जारी हुए हैं। दूसरी तरफ मप्र राज्य सेवा के अधिकारीयों कर्मचारियों को नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओपीएस का लाभ नहीं दे रही है। मध्यप्रदेश के 5 लाख अधिकारी कर्मचारी नई पेंशन योजना एनपीएस के दायरे में आते हैं और बरसों से अधिकारी कर्मचारी नई पेंशन योजना के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग कर रहे हैं। जबकि ऐसे लाखों अधिकारी एवं कर्मचारी मध्य प्रदेश राज्य में नियुक्त है जो वर्ष 2005 की पूर्व शासन की विभिन्न विभागों में किसी न किसी रूप में सेवा में आ गए थे एवं शासकीय विभाग से वेतन प्राप्त कर रहे थे उनके पद भी वर्ष 2005 के पूर्व से स्वीकृत थे लेकिन मध्य प्रदेश शासन ने ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जानकारी तक नहीं मंगा रहा है जिससे ओपीएस के लाभ से वंचित राज्य के एनपीएस धारक कर्मचारियों अधिकारियों को भी अखिल भारतीय सेवा के आईपी एस एवं आइ ए एस अफसर के समान ही ओ पी एस पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिल सके। मप्र कर्मचारी मंच ने मुख्यसचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि 05 के बाद नियुक्त मध्यप्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों को भी आईपीएस एवं आईएएस की तर्ज पर नई पेंशन योजना एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना ओ पी एस का लाभ देने की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए।

जागरुकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड मिलेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिये सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा। आयोग ने 10 दिसम्बर 2023 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। 19 अक्टूबर को जारी पत्र के अनुसार मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरुकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जा रहे हैं। मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चार श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे प्रस्ताव ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही प्रकार से भेजे जा सकते हैं सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित जूरी द्वारा विचार कर निर्णय लिये जायेंगे।

हिंदी विवि में नाटक के माध्यम से बताया मतदान का महत्व

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय ने मतदाता जागरूकता और साक्षरता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के छात्र एवं शिक्षकों ने गांव में जाकर नाटक के माध्यम से लोगों को मतदान का महत्व बताया। इस दौरान स्लोगन एवं लेखन प्रतियोगिता भी कराई गई।खासतौर से ऐसे वोटर जो पहली बार वोट दे रहे हैं। उन्हें किस तरह से अपना प्रतिनिधि चुनना है, वोट देना जरूरी क्यों है। इसकी जानकारी भी युवाओं को दी गई।

सरकार ने 11 सूत्रीय मांगें नहीं मानी तो एनजीओ महासंघ करेगा अधिवेशन

शासन से एनजीओ कल्याण बोर्ड का गठन करने की मांग की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शासन हमारी 11 सूत्रीय मांगों पर ध्यान नहीं देती है तो एनजीओ महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। यह बात स्वयंसेवी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव, सचिव प्रतिभा चौहान ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन से एनजीओ कल्याण बोर्ड का गठन करने की मांग की। साथ ही पंजीयन शुल्क वृद्धि एवं विलंब शुल्क के आदेश को वापस लेने की बात कही। उनका कहना है कि शासन के इस निर्णय से संस्थाएं हतोत्साहित है। स्वयंसेवी संस्थाओं के लिए कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म शासन स्तर पर तैयार नहीं किया जहां वह अपनी बात रख सकें, जबकि स्वयं सेवी संस्थाएं केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित की जिम्मेदारी बेहतर तरीके से निभाती हैं। सरकार को इनके लिए अलग से एक बोर्ड का गठन करना चाहिए। ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

लोगों को मतदान के प्रति किया जागरूक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चूनाभट्ठी चौराहे पर मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने किया। इस दौरान मतदाताओं को मतदान का महत्व बताया गया। यात्रा के माध्यम से हजारों लोगों को जागरूक कर मतदान के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों द्वारा हस्तनिर्मित पोस्टर, चुनरी एवं नारों के माध्यम से जन जागरूकता फैलाई गई। चुनरी पर भोपाल करेगा वोट, चुनाव दिनांक एवं मतदान से जुड़े नारे लिखे गए।

मेट्रो एंकर | मुख्यालय स्तर पर सरकारी प्रक्रिया में उलझा मामला

आधा सत्र बीता, लेकिन अभी तक सीएम राइज स्कूलों में शुरू नहीं हो सकी बस की सुविधा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सीएम राइज स्कूल योजना के तहत प्रदेश के सरकारी स्कूलों को हाईटेक की प्रक्रिया जारी है, लेकिन अब तक भोपाल संभाग के विद्यार्थियों को वाहन की सुविधा नहीं मिल सकी है। कुछ सीएम राइज स्कूलों में अभिभावकों ने बच्चों के प्रवेश तक कैंसिल करा लिए हैं। यह सुविधा पिछले साल ही शुरू की जाना थी लेकिन मुख्यालय स्तर पर सरकारी प्रक्रिया में मामला उलझा रहा। इस वर्ष में आधा सत्र निकलने के बाद विद्यार्थियों को वाहनों की अभी तक सुविधा नहीं मिल सकी है। हालांकि अधिकारियों की माने तो अब विधानसभा चुनाव के बाद ही भोपाल संभाग के सीएम राइज स्कूलों में विद्यार्थियों को वाहन सुविधा दिसंबर में नई सरकार बनने के बाद ही मिल पाएगी।

बुलाए थे टेंडर

कुछ दिन पहले भोपाल संभाग के लिए वाहन सुविधा के लिए टेंडर आयोजित किए गए थे। जिसमें चार कंपनियों ने भाग लिया है। टेंडर खोलने के बाद उनका परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण के बाद तकनीकी समिति को भेजा जाएगा। इन सभी प्रोसेस में करीब एक महीने से ज्यादा समय लगेगा।

पुराने भवन को तोड़कर नवीन भवन का निर्माण कार्य भी शुरू

प्रदेश में विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करीब एक हजार सीएम राइज स्कूल खोले जाने हैं। इन स्कूलों में विश्व स्तरीय सुविधाओं को देने का वादा किया गया है। पहले चरण में पौने तीन सौ स्कूल शुरू किए गए हैं। यह स्कूल वर्तमान में पुराने भवन में संचालित हैं। कुछ स्कूलों के पुराने भवन को तोड़कर नवीन भवन का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को वाहन सुविधा दी जाना है। यह सुविधा स्कूल से पांच से दस किमी की दूरी वाले छात्रों को दी जाएगी।

सुविचार

``आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो, प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है!''

-अज्ञात

संपादकीय

स्वस्थ नजरिए की मांग

बच्चों की किताबें एक ऐसा संवेदनशील विषय है जो समाज और आने वाली पीढियों से जुड़ा होता है। इसलिये जब भी पाठ्यपुस्तकों में बदलाव की कोशिशें होती हैं तो इसके गुणदोष और तमाम असर को गौर से देखने की कोशिशें भी होती हैं। इसीलिये नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग यानि एनसीईआरटी की एक उच्चस्तरीय समिति ने स्कूलों में सोशल साइंस के पाठ्यक्रम में संशोधन से जुड़ी जो सिफारिशें दी हैं,उस पर कई तरह के मत उभरें हैं और कुछ सामने भी आएंगे। हालांकि कुछ को महज अनावश्यक कहकर काम तो चलाया जा सकता है, लेकिन कुछ सिफारिशें ऐसी भी हैं जिनके पीछे की दृष्टि गंभीर विचार-विमर्श की मांग करती है। दरअसल,समिति की जिस सिफारिश पर तत्काल और सबसे तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली वह यह है कि स्कूली किताबों में देश का नाम अब सिर्फ भारत ही लिखा जाए, इंडिया नहीं। यह मसला कुछ समय पहले ही चर्चा में आ चुका है और इसके पक्ष-विपक्ष में दलीलें भी उसी समय से दी जाती रही हैं। इस पर जमकर राजनीति भी हुई है और विवाद भी। चूंकि दोनों ही नामों का जिक्र संविधान में है इसलिए दोनों में से किसी भी नाम को कमतर या हीन मानते हुए दिखना उचित नहीं कहा जाएगा। वैसे, अभी इस सलाह को एनसीईआरटी ने भी स्वीकार नहीं किया है, इसलिए साफ नहीं है कि इस सलाह का भविष्य क्या होने वाला है। फिर भी इतना जरूर है कि इस सलाह से न तो स्कूलों के पाठ्यक्रम में किसी तरह का कोई गुणात्मक बदलाव होगा और न ही बच्चों की सोच-समझ या पढ़ाई में कुछ घटेगा या बढेगा। लिहाजा बेवजह एक राजनीतिक विवाद शुरू करना एनसीईआरटी की इस समिति के लिए जरूरी नहीं है। इससे आसानी से बचा जा सकता था लेकिन समिति के अन्य सुझावों को बेवजह का नहीं बताया जा सकता है। क्योंकि न सिर्फ उनके पीछे पर्याप्त गंभीरता है बल्कि उन पर खास तरह की वैचारिकता की छाप भी नजर आती है। उदाहरण के लिए, समिति की एक सलाह यह है कि अतीत में हुए युद्धों का जिक्र करते हुए स्कूली किताबों में 'हिंदू विजयों' को रेखांकित किया जाए। समिति के अध्यक्ष सीआई इसाक के शब्दों में, 'पाठ्यपुस्तकों में हमारी विफलताओं का जिक्र तो है, लेकिन मुगलों और सुल्तानों पर हमारी जीतों का जिक्र नहीं है।' जाहिर है, हिंदू जीतों पर जोर देने का समिति का आग्रह इस तथ्य से मेल खाता है कि समिति के अध्यक्ष खुद को युद्ध के एक पक्ष अर्थात मुगलों और सुल्तानों के खिलाफ और दूसरे पक्ष के साथ खड़ा करके इतिहास को देखने की कोशिश कर रहे हैं। यह नजरिया दो वजहों से दोषयुक्त कहा जाएगा। एक तो इसमें वह वस्तुनिष्ठता नहीं नजर आती जो इतिहास जैसे विषय के साथ बरतने की जरूरत होती है। दूसरी बात यह कि अगर किसी विशिष्ट समूह के साथ जुड़ाव रखते हुए भी चीजों को देखा जाए तो अपनी गलतियों या कमजोरियों से बचने की या किसी उपाय से उन्हें छुपाने की जो घोषित-अघोषित इच्छा इसमें झलक जाती है। कहा जा सकता है कि स्कूली पाठ्यपुस्तकों में किसी भी तरह का फेरबदल करते वक्त यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उसके पीछे नजरिया हमेशा स्वस्थ और वैज्ञानिक हो ताकि नागरिक या समाज को इसका फायदा मिले। आने वाली पीढ़ी को भारत की गौरवयात्रा का निसंदेह जानकार बनाना चाहिये लेकिन यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि ऐसा कोई प्रयास सिरे नहीं चढे कि कोई खास नजरिया हावी नजर आने लगे तथा आने वाले समय में जब समितियां बनें तो फिर किसी बदलाव की जमीन तैयार करने लगें।

कविता

है हमको फंसाया !

– कृष्णेन्द्र राय

है और रहेगा ।
अपना ये संघर्ष ।।
भले लगे आरोप। ।
है फिर भी उत्कर्ष ।।
है हमको फंसाया ।
और हुआ उपयोग ।।
फिर भी अपने लोगों का ।
है पूरा सहयोग ।।
हैं हम पाक साफ़ ।
कागज़ है दिखाया ।।
रह गए यदि अंदर ।
उनका भी सफ़ाया ।।
ना किया कुछ गड़बड़ ।
फिर भी लगी लगाम ।।
चला जो लंबा खेल ।
लूंगा और नाम ।।

आज का इतिहास

- **1886** - अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड ने दोस्ती के प्रतीक के तौर पर फ्रांस से उपहार में मिली 'स्टैच्यु ऑफ लिबर्टी' का औपचारिक अनावरण किया।
- **1891** - जापान में भूकंप से 7300 लोगों की मौत।
- **1918** - आस्ट्रिया और हंगरी के अलग होने के बाद चेकोस्लोवाकिया स्वतंत्र हुआ।
- **1954** - अर्नेस्ट हेमिंग्वे को साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला।
- **1955** - मिस्त्र और सऊदी अरब ने रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए।
- **1998** - इंटरपोल की 67वीं आमसभा अत्याधुनिक तकनीक आतंकवाद और अन्य आधुनिक संगठित अपराधों से निपटने की एक नयी रणनीति के साथ समाप्त।
- **2001** - जर्मनी के चांसलर गेरहार्ड श्रोडर भारत की यात्रा पर आये, जापान के प्रधानमंत्री जुनीशिरो कोअजुमी के विशेष दूत योसितो मोरी भारत दौरे पर आये।
- **2004** - बीजिंग में 4000 वर्ष पुराने मकबरों का पता लगा। परमाणु मसले पर ईराक के साथ यूरोपीय संघ की वार्ता विफल।
- **2009** - पाकिस्तान के पेशावर में बम धमाके से 117 मरे, 213 घायल।
- **2012** - सीरिया में संघर्ष विराम का उल्लंघन, 128 लोग मारे गये।
- जर्मनी के सेबेस्टियन वेटेल ने वर्ष 2012 का फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री खिताब जीता।
- **1883** - मौरिस गार्नियर हैलेट - भारत सरकार में गृह सचिव रहे।
- **1955** - बिल गेट्स - माइक्रोसाफ्ट के संस्थापक वाशिंगटन।
- **1958** - अशोक चह्वाण - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ हैं।
- **1963** - उर्जित पटेल - भारतीय रिज़र्व बैंक के 24वें गवर्नर।
- **1930** - अंजान - भारतीय हिन्दी फ़िल्मों के मशहूर गीतकार तथा अपने समय के ख्याति प्राप्त शायर।
- **1871** - अतुल प्रसाद सेन - प्रसिद्ध विधिवेत्ता, शिक्षा प्रेमी, रचनाकार तथा बांग्ला भाषा के प्रसिद्ध कवि और संगीतकार थे।
- **1867** - सिस्टर निवेदिता - विवेकानन्द की सहयोगी तथा शिक्षिका तथा समाज सेविका।

भारतीय संस्कृति, धर्म, ज्योतिष योग में चंद्रमा का महत्वपूर्ण स्थान

महेश अग्रवाल

चंद्रमा औषधियों का स्वामी है, चंद्रमा अमृत है वह जीवन के लिए संजीवनी है। चंद्र चराचर जगत और विशेषकर मानवीय संवेदनाओं, जीवनचर्या को मंगलमय बनाए रखने में सर्वाधिक योग कारक है। इसलिए प्रत्येक धर्मावलम्बी, योग साधक , प्रकृति प्रेमी चंद्र को अपने धार्मिक ,आध्यात्मिक व ज्योतिषीय जीवन में विशेष प्रधानता दिया करता है।अश्विन माह में आने वाली पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहा जाता है। इस पूर्णिमा को कौमुदी, कोजागरी पूर्णिमा या रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा धरती के सबसे निकट होता है। ये पर्व रात में चंद्रमा की दूधिया रोशनी के बीच मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि पूरे साल में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है। इस दिन चंद्र देव की पूजा करना शुभ होता हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन चन्द्रमा की किरणों से अमृत की वर्षा होती है और इस दिन से शरद ऋतु का आगमन होता है। इस दिन चंद्रमा की दूधिया रोशनी में दूध की खीर बनाकर रखी जाती है और बाद में इस खीर को प्रसाद की तरह खाया जाता है। मान्यता है कि इस खीर को खाने से शरीर को रोगों से मुक्ति मिलती है। शरद पूर्णिमा के दिन व्रत करना फलदायी सिद्ध होता है। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण चंद्रमा की सभी सोलह कलाओं से युक्त थे। इस पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा से निकलने वाली किरणें चमत्कारिक गुणों से परिपूर्ण होती है। नवविवाहिता महिलाओं द्वारा किये जाने वाले पूर्णिमा व्रत की शुरुआत शरद पूर्णिमा के त्यौहार से होती हैं तो यह शुभ माना जाता है। इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा भी की जाती हैं। मान्यताओं अनुसार, शरद पूर्णिमा का व्रत रखने के पूर्व रात्रि देवी लक्ष्मी की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन से धन समस्याओं का अंत होता है और धन तथा वैभव की प्राप्ति होती है । कवि, लेखक और प्रेमियों के लिए चांद एक प्रिय रूपक तो है ही। अनेक व्रत शशांक के दर्शन पर पूर्ण होते हैं और यही ताराधिपति करवाचौथ पर स्त्रियों को परम सौभाग्य का वर देते हैं। सूर्य प्रत्यक्ष नारायण हैं तो चंद्रमा राकेश यानी रात के ईश्वर हैं। %चंद्रमा का प्रकाश सूर्य के समान तेजस्वी नहीं होता कि तारामंडल ही विलीन हो उठे। चंद्रमा तो एक भिन्न ही सरिता का वाहक है। जिसमें अनेकानेक पौराणिक कथाएं, परम्पराएं, काव्य, व्रत एवं त्योहार प्रवाहित होते हैं। चंद्रमा की पूर्णता होली के त्योहार की सूचक है तो उसकी अनुपस्थिति दिपों के पर्व का निमंत्रण देती है। भाद्रपद का शुक्लपक्षी चांद गणेशजी के जन्मोत्सव के आरम्भ की सूचना देता है तो वहीं शरद पूर्णिमा पर अमृतवर्षा कर जगत जीवों को तृप्त कर देता है। यही चंद्रमा करवाचौथ की निशा को सौभाग्यवती स्त्रियों के कठिन व्रत को पूर्णता प्रदान करता है।

*योग अभ्यास में भी चन्द्रमा का महत्व हैं, चंद्रभेदी प्राणायाम आखों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहद कारगर साबित होता है। जो लोग आंखों के धुंधलेपन से परेशान हैं उन्हें इस आसन का नियमित अभ्यास करना चाहिए। इसके नियमित अभ्यास से मन को शांति मिलती है और तनाव दूर होता है। उच्च रक्तचाप के लिए

बहुत उपयोगी अभ्यास हैं । सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लाभ जैसे ही चंद्र नमस्कार के लाभ प्राप्त होते हैं, जिस प्रकार सूर्य नमस्कार विशेष रूप से प्रातः काल कराया जाता है उसी प्रकार चंद्र नमस्कार संध्या काल में करना चाहिए। शरीर सुंदर, बलिष्ठ, सुडौल होता है। उदर प्रदेश को लाभ मिलता है। क़ब्ज़, अम्लता, अजीर्ण आदि दूर होते हैं। शरीर कातिवान एवं तेजमय बन जाता है। मानसिक शांति एवं शीतलता प्राप्त होती है। आलस्य, प्रमाद आदि नहीं होते। संपूर्ण शरीर को निरोगी बनाता है। दिशा ー चूँकि चंद्रमा की ऊर्जा एवं उससे होने वाले लाभ को आत्मसात् करना है। अतः जिस दिशा में चंद्र का उदय हो उसी दिशा का चयन करना चाहिए।

शशांक आसन - शशांक अर्थात चन्द्रमा भी होता हैं,यह आसन उदर संबंधी रोगों से छुटकारा दिलाता है। मेरुदण्ड के विकार दूर करता हैं। महिलाओं के वस्ति-प्रदेश को लाभ पहुँचाता है। रक्त संचार प्रणाली को सुचारु करता है। मानसिक विकार दूर होते हैं। वायु विकार का शमन करता है।प्रजनन अंग के विकारों को ठीक करता है। सावधानी ー अति उच्च रक्तचाप वाले इस आसन को न करें। पूर्णिमा की रात्रि का ध्यान काफी प्रचलित है। चन्द्रमा और आध्यात्मिक क्रियाओं के बीच में गहरा संबंध है। पूनम की रात को चन्द्रमा की रोशनी में किया हुआ ध्यान अति मनमोहक और गहरा होता है। चन्द्रमा हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। चाहे कोई त्यौहार हो अथवा किसी कार्य का शुभारम्भ करना हो, प्राचीन काल में सब कुछ चन्द्रमा की स्थिति के अनुसार तय होता था। उदाहरण के लिए ईद, गुरु पूर्णिमा और होली इत्यादि त्यौहार की तिथि चन्द्रमा की तिथि पर निर्धारित हैं। पूर्णिमा की रात्रि को धरती से चन्द्रमा सम्पूर्ण चमकता, दमकता दिखाई देता है। इस दिन पृथ्वी सूर्य और चंद्र के बीच में होती है और तीनों एक सीधी रेखा में होते हैं।

विभिन्न संस्कृतियों में पूर्णिमा का महत्व अलग-अलग प्रकार से समझाया गया है। कुछ में इसे धार्मिक व आध्यात्मिक पथ से जोड़ा गया है और कुछ में इसे मात्र समय का सूचक माना गया है। भारत में प्राचीन काल से ऐसी मान्यता है कि पूर्णिमा का मुख्यतः प्रभाव सृष्टि में जल के प्रवाह पर होता है। बौद्धधर्मी इसे आध्यात्मिक पथ पर अग्रसर होने का सूचक मानते हैं। ऐसी मान्यता है कि पूर्णिमा का चाँद हमारे मन और चित्त पर प्रभाव डालता है, अतः इसे उन्माद का कारण भी समझा जाता है। पूर्णिमा का महत्व -सृष्टि में प्रत्येक वस्तु का प्रभाव दूसरी वस्तु पर होता है। इसी प्रकार पूर्णिमा और अमावस्या का भी मनुष्य के शरीर और मन पर प्रभाव पड़ता है। किन्तु जो व्यक्ति प्राणायाम, ध्यान और योग करते हैं वो इन सभी प्रभावों से मुक्त हो जाते हैं।

चन्द्रमा का हमारे शरीर पर प्रभाव। हम जो भोजन करते हैं वह मुख्यतः दो प्रकार की शक्तियों में परिवर्तित हो जाता है - मनःशक्ति और प्राणशक्ति। मनःशक्ति का केंद्र शीर्षग्रंथि (क्ष्ठद्दड्डद्य त्नद्यड्डठ्ठस्र) में होता है जहां से जीवन के लिए उपयोगी हार्मोनस का स्राव होता है। ऐसी मान्यता है कि चन्द्रमा यहां प्रवेश कर रात्रि को सोने से लेकर सुबह उठने तक हमारा संचालन करता है। चन्द्रमा की रोशनी मनुष्य, पेड़ पौधों, जानवरों, जीव जंतुओं सब पर अपना प्रभाव डालती है। मानव शरीर तो 70 प्रतिशत पानी से बना हुआ है - अतः पूर्णिमा कि रात्रि का ध्यान साधक को अपने अंतर्मन में झाँकने, मन के परे और दिव्यता का अनुभव करने के लिए अति लाभकारी होता है। पूर्णिमा की रात्रि का ध्यान मन व शरीर में सुफुर्ति लाता है। इसे पूर्वी या पश्चिमी दिशा में बैठकर किया जाता है। खुली जगह में चन्द्रमा की रोशनी में इस ध्यान को करना अति उत्तम माना जाता है।

हिंदू धर्म में प्रत्येक दिन का विशेष महत्व है। हर दिन किसी न किसी देवी-देवता और ग्रहों की पूजा होती है। इसी तरह सोमवार के दिन चंद्रमा की पूजा की जाती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, चंद्रमा को मनुष्य के ज्ञान, बुद्धि और मन का स्वामी कहा जाता है। कुडंली में चंद्रमा के कमजोर होने से व्यक्ति का जीवन बहुत कष्टकारी हो जाता है, इसीलिए सोमवार के दिन विधि-विधान से चंद्रमा की पूजा करने से ग्रह दोष शांत हो जाते हैं। कुडंली में चंद्रमा के सही होने से जीवन में सुख-शांति, धन, वैभव और यश आदि की प्राप्ति होती है। सोमवार के दिन चंद्रमा की पूजा से व्यक्ति को विशेष लाभ की प्राप्ति होती है। चंद्रमा की पूजा के विशेष लाभ - सोमवार के दिन चंद्रमा की पूजा करने से व्यक्ति को धन की कमी नहीं रहती और जीवन धन्य-धान्य से भरा होता है। इससे व्यक्ति का मन और मस्तिष्क स्वस्थ्य रहता है। इस दिन चंद्रमा का व्रत रखने से माता-पिता के जीवन से कष्ट का निवारण होता है। चंद्र ग्रह को बहुत ही शीतल माना जाता है। सोमवार के दिन उपवास रखने से उग्र व्यक्ति के व्यवहार में शीतलता आती है। उसके स्वभाव में विनम्रता आती है। चंद्रमा की पूजा से भगवान शंकर भी प्रसन्न होते हैं, जिससे व्यक्ति के जीवन में खुशहाली का आगमन होता है। चंद्रमा की पूजा से मन शांत और संयमित रहता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

लेखक आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र भोपाल के संचालक हैं।

28 अक्टूबर शरद पूर्णिमा : महर्षि वाल्मीकि का जन्म

पूरे विश्व में एकत्व और सामाजिक जागरण का अलख जगाया

रमेश शर्मा

महर्षि वाल्मीकि का जन्म शरद पूर्णिमा को हुआ था । इस वर्ष यह पूर्णिमा 28 अक्टूबर को है । इसलिये इस वर्ष महर्षि वाल्मीकि का जन्म दिवस 28 अक्टूबर को मनाया जा रहा है । वे भारत की उन विरली विभूतियों में से एक हैं, जिन्हें हर समाज अपना पूर्वज मानता है । ब्राह्मण समाज ऋषि पुत्र मानता है तो भील वनवासी समाज उन्हें अपना पूर्वज मानते हैं, दलित वर्ग में तो वाल्मीकि समाज की गणना होती ही है वहीं गुजरात और दक्षिण भारत के अनेक हिस्सों निषाद समाज बाल्मीकि जी को अपना पूर्वज मानता है तो पंजाब में एक सिख उपवर्ग है जो स्वयं को क्षत्रिय मानता है और वाल्मीकि जी का वंशज । उनका यह भी दावा है कि उनके पूर्वज प्रत्यक्ष युद्ध करते थे । जिस प्रकार समाज में उनकी विविध मान्यता है उसी प्रकार उनके व्यक्तित्व के भी अनेक स्वरूप हैं, कहीं उन्हें महर्षि तो कहीं भगवान् वाल्मीकि कहा जाता है और कहीं संत तो कहीं महापुरुष के रूप उनकी मान्यता है। उनके जन्म और महर्षि बनने की कथाएँ भी अलग-अलग हैं ।

जन्म कथायें : लगभग सभी पुराणों में किसी न किसी संदर्भ में वाल्मीकि जी का वर्णन है । कुछ पुराण कथाओं में उन्हें प्रचेता का ग्यारहवाँ पुत्र और महर्षि भृगु का भाई बताया है तो कहीँ महर्षि अंगिरा का वंशज, कहीं उन्हे वनवासी बताया गया है और पिता का नाम सुमाली लिखा है । लेकिन सभी कथाओं में एक बात समान है कि उनका नाम रत्नाकर था, और उनका पालन पोषण वनवासी भील समाज में हुआ था । वे आजीविका के लिये चाँडाल कर्म करते थे । उन दिनों चोरी डकैती, शमशान घाट में और हिंसात्मक कार्य करके अपनी आजीविका कमाने वालों को चाँडाल कहा जाता था । एक दिन नारद निकले रत्नाकर ने रोका और लूटने का प्रयास किया । नारद जी ने कहा कि उनके पास तो वीणा के अतिरिक्त कुछ है ही नहीं । बाल्मीकि जी ने तलाशी ली । नारद जी ने पूछा कि यह सब किसलिये करते हो । रत्नाकर ने कहाकि फ्परिवार चलाने केलियेफ्र । नारद जी ने पूछा कि फ्क्या परिवार जन इस पाप में भी भागीदार होंगेफ्र ? सुनकर चौंक पड़े रत्नाकर । उन्होंने घर जाकर परिवार से पूछा तो सबने पाप की सहभागिता से पल्ला झाड़ लिया । वस हृदय परिवर्तन हो गया रत्नाकर का । उन्होंने चाँडाल कर्म छोड़कर भक्ति आरंभ की । कठोर तप किया । उन्हें ब्रह्म ज्ञान प्राप्त हुआ और उनके मुँह से व्याकरण युक्त संस्कृत के पहला श्लोक प्रस्फुटित हो गया । आगे चलकर उन्हें ऋषित्व प्राप्त हुआ और महर्षि कहलाये ।

वाल्मीकि नाम का रहस्य : वाल्मीकि नाम साधारण नहीं है ।सामान्य तौर पर कहा जाता है कि कठोर तप और साधना में इतने निमग्न हो गये थे शरीर पर दीमक लग गयी थी दीमक का एक नाम वाल्मि भी कहा जाता है इसलिए उनका नाम

वाल्मीकि पड़ा । लेकिन यह तो लोक चर्चा है । वस्तुतः संस्कृत व्याकरण में वाल्मीकि का अर्थ अलग है ।संस्कृत में स्वर और व्यंजन की ध्वनि भी गहरे अनुसंधान के बाद निश्चित किये गये हैं फ्वाल्मीकिफ्र शब्द संस्कृत की दो धातुओं से मिलकर बना है । संस्कृत में एक धातु है फ्वल्फ्र जिसका अर्थ होता है केन्द्रीयभूत शक्ति । दूसरी धातु है फ्मक्फ्र जिसका अर्थ आकर्षण होता है । इन दोनों धातुओं की संधि से शब्द बना फ्वाल्मीकिफ्र जिसका अर्थ होता आंतरिक शक्ति का आकर्षण । नाम के अर्थ के संदर्भ में भी वाल्मीकि जी के व्यक्तित्व को देखें । उनका अमृत्व उनके जन्म या परिवार की पृष्ठभूमि के कारण नहीं अपितु उनकी ज्ञानशक्ति के कारण है । यह ज्ञान उन्हे अपनी आंतरिक प्रज्ञा शक्ति से उत्पन्न हुआ और इसी से संसार के प्रत्येक व्यक्ति के लिये आकर्षण का केंद्र बने ।

सामाजिक स्वरूप और सम्मान : महर्षि वाल्मीकि को जिस प्रकार अलग-अलग क्षेत्रों में उन्हें अलग अलग समाज से जोड़ कर देखा जाता है उसी प्रकार स्वयं को वाल्मिकी वंशज मानने वालों में उपनाम भी ऐसे हैं जो लगभग सभी वर्गों की ओर इंगित करते हैं । वाल्मीकि समाज में फ्चौहानफ्र उपनाम भी होता है और फ्झाफ्र भी । फ्झाफ्र ब्राह्मणों में उपनाम है तो फ्चौहानफ्र क्षत्रियों का । वाल्मीकि समाज में फ्वर्माफ्र भी होते हैं और चौधरी एवं पटेल भी होते हैं । महर्षि वाल्मीकि किस समाज या समूह से संबंधित हैं, इस पर भले मतभेद हों पर यह सर्व स्वीकार्य तथ्य है कि वे संसार के आदि कवि हैं, उन्होंने अपने पुरुषार्थ, परिश्रम या तप से अपने व्यक्तित्व का निर्माण किया । वे सर्व समाज में मार्गदर्शक और पूज्य हैं, भारत में सामाजिक एकत्व और समरसता के प्रतीक हैं । उन्होंने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से संपूर्ण समाज और भूभाग को एक सूत्र में पिरोया । वे सबके लिये एक आदर्श थे तभी तो दशरथ नंदन राम ने उन्हें धरती पर लेटकर साष्टांग प्रणाम किया और वन में रहने के लिये उन्ही से सुगम स्थान पूछा । माता सीता उन्ही के आश्रम में रहीं । लवकुश को उन्ही ने शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा दी । जिस प्रकार उनकी देशीय और सामाजिक व्यापकता मिलती है उससे एक बात स्पष्ट होती है कि वाल्मीकि जी सृष्टि के आरंभिक काल में समाज और राष्ट्र को एक स्वरूप में बांधने का प्रयास किया होगा । इसीलिये उनका संदर्भ सभी समाजों में और देश के सभी स्थानों में मिलते हैं ।

वाल्मीकि जी का कृतित्व : महर्षि वाल्मीकि संस्कृत में काव्यविधा के जन्मदाता माने जाते हैं । यह मान्यता है कि संस्कृत की पहली काव्य रचना उन्हीं के स्वर में प्रस्फुटित हुई । भारत के लगभग सभी काव्य रचनाकारों ने अपना साहित्य सृजन करने से पहले उनकी वंदना की है । इनमें पूज्य आदि शंकराचार्य भी हैं और रामानुजार्य भी । राजाभोज भी हैं और संत तुलसीदास भी । वैदिक काल से आधुनिक काल तक भारत में ऐसा कोई काव्य रचनाकार नहीं जिनने उनका स्मरण न किया हो । उन्होंने ऋषित्व ही नहीं देवत्व भी प्राप्त किया । वे ऋग्वेद के आठवें मंडल में एक सूक्त के ऋषि हैं । उनके द्वारा रचित वाल्मिकी रामायण भारत ही नहीं अपितु संसार भर का पहला महाकाव्य है । इसमें इस महाकाव्य में पच्चीस हजार श्लोक हैं । हर हजारवें श्लोक का आरंभ गायत्री मंत्र के प्रथम अक्षर से होता है । उनकी रामायण रचना की दो विशेषताएं हैं । एक तो इसमें सूर्य और चन्द्र की स्थिति का सटीक उल्लेख है ।इससे अनुमान है कि उन्हें अंतरिक्ष या सौर मंडल का ज्ञान था । दूसरा रामजी के वनवास काल के वर्णन में स्थानों के नाम, उनकी भौगोलिक स्थिति और मौसम का सटीक विवरण है । यह वर्णन केवल कल्पना से संभव नहीं हैं । स्थानों के नाम और स्थिति यथार्थ परक है इससे लगता है कि उन्होंने रामायण लिखने से पूर्व उन्होंने राम जी के वन गमन पथ की यात्रा की, और अध्ययन किया । उसी आधार पर वर्णन किया। उनके वर्णन में सामाजिक एकत्व और समरसता को जिस प्रमुखता से विवरण दिया गया है । विशेषकर वनवासी समाज के विभिन्न समूहो और उप समूहों में एकरूपता के सूत्र में पिरोने और विभिन्न भूभाग पर निवास रत व्यक्तियों के बीच वे कोई एकत्व स्थापित करना चाहते थे । वे सही मायने में राष्ट्र जागरण और सामाजिक एकत्व के अभियान में सक्रिय रहे । उन्होंने रामायण के अतिरिक्त भी अन्य अनेक काव्य रचनाएं भी तैयार कीं थीं । उन्होंने अपने पुरुषार्थ, परिश्रम या तप से अपने व्यक्तित्व का निर्माण किया था। वे सर्व समाज के मार्गदर्शक और पूज्य हैं । वे भारत में सामाजिक एकत्व और समरसता के प्रतीक हैं । उन्होंने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से संपूर्ण समाज और भूभाग को एक सूत्र में पिरोया । वे सबके लिये एक आदर्श थे तभी तो दशरथ नंदन राम ने उन्हें धरती पर लेटकर साष्टांग प्रणाम किया और वन में रहने के लिये उन्ही से सुगम स्थान पूछा । माता सीता उन्ही के आश्रम में रहीं । नेपाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, विहार, मध्यप्रदेश महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ ही नहीं सुदूर केरल में भी वाल्मीकि जी के मंदिर हैं । नेपाल के चितवन जिले में वाल्मीकि मंदिर है तो उत्तर प्रदेश में तमसा, सोना और सप्त गंडक के संगम स्थल को उनकी जन्म स्थली और आश्रम होने की मान्यता है । एक दावा प्रयाग से लगभाग चालीस किलोमीटर दूर झाँसी मानिकपुर रोड पर तो एक दावा चित्रकूट में होने का है । एक अन्य दावा सीतामढी के बिठूर में तो एक हरियाणा फतेहाबाद में और मध्यप्रदेश के मंडला जिले में नर्मदा संगम पर बने वाल्मीकि आश्रम को ही उनकी तपोस्थली माना जाता है । इन सभी स्थानों पर शरद पूर्णिमा को ही पूजन और भंडारे होते हैं । कहीं कहीं तो चल समारोह भी निकलते हैं । देशभर के विभिन्न भागों में उनके आश्रम होना और विभिन्न समाज में उनकी मान्यता उनके एक वैश्विक और मानवीय स्वरूप को प्रमाणित करती है । आज के वातावरण में बढ़ती चुनौतियों के बीच संपूर्ण भारतीय समाज के समरस स्वरूप प्रमाणित करने के लिये महर्षि वाल्मीकि का जीवन चरित्र एक आदर्श है । उनके ज्ञान, उनकी वैश्विकता का पालन करके ही भारतीय समाज पुनः अपने उसी स्वरूप को प्राप्त कर सकता है जो उसका अतीत में रहा है ।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

महिलाओं के बीच हुई क्रिकेट प्रतियोगिता

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं स्वीप प्रभारी सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत आज 27 अक्टूबर 2023 को जनपद पंचायत माखननगर में हाईस्कूल ग्राउण्ड में राष्ट्रीय आजीविका मिशन के ओम एवं उजाला संकुल स्तरीय संगठन की महिलाओं के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में समूह की महिलाओं के द्वारा क्रिकेट मैच के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग 17 नवम्बर 2023 को आवश्यक रूप से किये जाने के लिए दर्शकों को संदेश दिया। साथ ही उपस्थित मतदाताओं को अपने मताधिकार के उपयोग हेतु जानकारी भी दी गई।

भाजपा से प्रेम शंकर ठाकुर दास,कांग्रेस से पुष्पराज और वीरेंद्र ने जमा किया नामांकन

13 उम्मीदवारों ने जमा किए नामांकन फार्म, आज छुट्टी

सिवनी मालवा/नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चौरे की नामांकन रैली में दिखी भीड़, नर्मदापुरम विधानसभा क्षेत्र से 2 , सोहागपुर से 5, सिवनीमालवा से 4 एवं पिपरिया में 2 नाम निर्देशन पत्र जमा हुए

विधानसभा निर्वाचन के लिए गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र नर्मदापुरम से 2 तथा सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र से 4 तथा सिवनीमालवा विधानसभा से 4 तथा पिपरिया से 2 नाम निर्देशन पत्र जमा किये गये। रिटर्निंग अधिकारी नर्मदापुरम से आशीष पांडे ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र नर्मदापुरम से से निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चौरे ने अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। नर्मदापुरम से ही निर्दलीय प्रत्याशी अजय कुमार शुक्ला ने भी अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। रिटर्निंग अधिकारी सिवनीमालवा प्रमोद गुर्जर ने बताया विधानसभा क्षेत्र सिवनीमालवा से इंडियन नेशनल कांग्रेस से अजय सिंह पिता विजय सिंह पटेल जिनका ए एवं बी फार्म प्राप्त हुआ है। भारतीय जनता पार्टी से प्रेमशंकर वर्मा तथा आम आदमी पार्टी से सुनील गौर से फॉर्म ए एवं बी प्राप्त हुआ। समाजवादी जन परिषद से फागराम पिता नन्हेंलाल ए एवं बी फार्म प्राप्त हुआ।

एसडीएम सोहागपुर बृजेन्द्र रावत ने बताया कि गुरूवार को 4 अभ्यर्थियों ने अपना नाम निर्देशन पत्र जमा कराया। उन्होने बताया कि इंडियन नेशनल कांग्रेस से श्री पुष्पराज सिंह ने नाम निर्देशन पत्र जमा किया। उन्होंने नाम निर्देशन का 3 सेट जमा किए। सोहागपुर विधानसभा में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उमेश कुमार ने दूसरा नाम निर्देशन पत्र जमा किया। वहीं महाकौशल

राष्ट्रीय पार्टी से हरिसिंह एवं निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में शेख सिकंदर ने अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया। पिपरिया विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी ठाकुरदास नागवंशी ने अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। पिपरिया से ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी वीरेंद्र बेलवंशी ने अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्र 30 अक्टूबर तक जमा होंगे, 31 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र वापस लेने व चुनाव चिन्ह आवंटन की कार्यवाही 2 नवम्बर को सम्पन्न होगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना केंद्र का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने आज अधिकारियों के साथ मतगणना केंद्र संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र पर निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विधानसभाओं के मतदान दलों की बैठक के लिए बेहतर काउंटर व्यवस्था बनाई जाए। निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत सामग्री जमा कराई जाए। उन्होंने स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण कर सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए। निरंजन के दौरान जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत , अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पांडे, नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे, निर्वाचन सुपरवाइजर कैलाश दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके पूर्व कलेक्टर श्री सिंह ने ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण भी किया।

मतदाधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिलाई शपथ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ललित डहरिया ज द्वारा 2018 में 80त्न से कम मतदान वाले 6 चिन्हित बूथ क्रमांक 170 , 172, 173, 174, 175 एवं 176 का भ्रमण किया एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत सर्वप्रथम शत प्रतिशत मतदान करने की शपथ दिलाई गई।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मतदान बूथ स्तर एवं वार्ड स्तर पर गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत आज मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही कम मतदान होने के कारण जो मतदाता एवं छात्र-छात्राएं शहर से बाहर गए हुए हैं उनके घर परिवार में जाकर उनके द्वारा भी वोट दिया जाए इसके लिए प्रेरित किया गया।

विजिट के दौरान प्रभारी परियोजना अधिकारी दीप्ति शुक्ला सेक्टर पर्यवेक्षक वर्षा पवार , राखी मौर्य महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर राकेश मेहता, डॉ रश्मि तिवारी, डॉ अर्चना शर्मा, डॉ संतोष अहिरवार ,डॉ आशुतोष मालवीय, डॉक्टर दिनेश कुमार , डॉ मनीष चौरे ,डॉ श्रीमती मीरा यादव उपस्थित रहे। साथ ही अन्य मतदाता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मतदाता सखी भी उपस्थित रहीएवं डोर टू डोर सर्वे किया गया।

सिवनी मालवा विस के 318 मतदान केन्द्रों पर जारी सफाई पुताई एवं निर्देश लेखन कार्य

सिवनी मालवा । विधानसभा आम निर्वाचन 2023 चुनाव की दृष्टिकोण से प्रशासन मैदानी तैयारी पूर्ण करने में लगा है। मतदान केंद्रों पर लगातार मतदान एवं मतदाता के अनुकूल व्यवस्थाएं बनाने के लिए आवश्यक कार्य किया जा रहे हैं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के मतदान केन्द्रो पर सफाई, पुताई एवं लेखन का कार्य जारी है। प्रमोद सिंह गुर्जर रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा सिवनी मालवा ने बताया कि इन दोनों मतदान केंद्रों पर लगातार सफाई, पुताई, बिजली कनेक्शन, पेयजल व्यवस्था आदि के सुचारू होने का अवलोकन किया जा रहा है। जहां कहीं इस प्रकार की पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं है वहां इन सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश भी संबंधित कर्मचारियों एवं विभाग को दिए हैं विशेष रूप से मतदान केदो पर निर्वाचन संबंधी संदेश लिखने का

कार्य किया जा रहा है स्कूल शिक्षा विभाग पंचायत विभाग एवं नगर पालिका द्वारा साफ सफाई के निर्देश जारी किए गए हैं। दीवार लेखन कार्य में विधानसभा निर्वाचन136सिवनीमालवा, क्षेत्र का नाम, भवन का नाम, कुल मतदाता महिला पुरुष एवं अन्य मतदान की दिनांक, मतदान का दिन, मतदान का समय, बीएलओ का नाम, बीएलओ का मोबाइल नंबर आदि अंकित किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर आपत्तिजनक मैसेज, चित्र, कमेंट, बैनर, पोस्टर आदि अपलोड नहीं करेंगे

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर होगी सख्त कार्यवाही..

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन-2023 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। विधानसभा निर्वाचन के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराने और कानून व्यवस्था तथा लोक शांति बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत सोशल मीडिया पर प्रसारित की जाने वाली आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड करने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

कलेक्टर सिंह के आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या ग्रुप एडमिन या अन्य सोशल मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक संसाधन जैसे मोबाईल, कम्प्यूटर, फेसबुक, ई-मेल, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर एवं अन्य प्रकार के संचार साधनों पर किसी दल, धर्म, जाति, संप्रदाय, संस्था, व्यक्ति विरोधी, आम लोगो की भावना भड़काने व कानून व्यवस्था की विपरीत स्थिति निर्मित करने वाले और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले आपत्तिजनक मैसेज, चित्र, कमेंट, बैनर, पोस्टर आदि अपलोड नहीं करेंगे। व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन ओर यूजर कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित न करे। ऐसे संदेशो के प्रसारण की जिम्मेदारी ग्रुप एडमिन की होगी। सोशल मीडिया पर आए संदेशों पर प्रतिक्रिया देने से पूर्व उसकी सत्यता की जांच करने का प्रयास करे।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवम्बर को मनाया जाएगा

कार्यक्रम के आयोजन के लिए सीईओ जिला पंचायत नोडल अधिकारी नियुक्त

नर्मदापुरम.मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवम्बर को मनाया जाएगा। कार्यक्रम आयोजन के लिए सीईओ जिला पंचायत नर्मदापुरम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अपर कलेक्टर नर्मदापुरम ने बताया है कि 1 नवम्बर को प्रात: 9 बजे कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा पुलिस परेड ग्राउंड नर्मदापुरम में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा इस अवसर पर स्कूली के छात्र-छात्राओं द्वार राष्ट्रीय गान का गायन जाएगा। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएगे। अपर कलेक्टर ने सर्वसंबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे कार्यक्रम आयोजन के लिए सौंपे गये दायित्वों को पालन करना सुनिश्चित करें।

भाजपा से बगावत करके तोषमंणी पंथी ने बसपा से ठोकी ताल, भीम आर्मी से गब्बर ने जमा किया नामांकन

रोचक होगा विधानसभा चुनाव का मुकाबला, 100 मीटर के अंदर भी लगी रहती है भीड़

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

इन दिनों तहसील कार्यालय के बाहर ज्यादा ही चहल पहल देखने को मिल रही है। इस बार तहसील स्तर पर ही नामांकन फार्म उम्मीदवारों के जमा हो रहे हैं। इसके चलते इस समय विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने का दौरा चल रहा है। जैसे-जैसे तारीख नजदीक आ रही है तो उम्मीदवार फर्म जमा करने के लिए ज्यादा पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को तोषमंणी पंथी ने बहुजन समाज पार्टी से अपना नाम निर्देश पत्र जमा किया है। लगभग 25 सालों से भारतीय जनता पार्टी के लिए काम कर रहे थे ।दलित नेता के रूप में इनकी पहचान है और वार्ड 15 से कभी खुद पार्षद रहे तो कभी इनकी पत्नी पार्षद की जिम्मेदारी उठाती आ रही है। इन्होंने भाजपा छोड़कर बहुजन का दामन थामा है साथ ही इन्होंने नामांकन फार्म जमा करने के बाद हमारे संवाददाता से बात करते हुए श्री पंथी ने कहा कि सिरोंज की भाजपा तो प्राइवेट लिमिटेड पार्टी बंद कर रह गई है विधायक के इशारों पर ही यह पार्टी चलती है वह जिसको चाहते हैं उसको पद मिलता है वह जिसको मिलना चाहते हैं उससे मिलते हैं इस क्या काम होता है मैं हमेशा सभी के कामों के लिए तत्पर रहता हूं हमेशा पार्टी को मां मानकर काम किया है पर आज तक मुझे कार्यकारिणी में भी शामिल नहीं किया गया चार बार पार्षद का दायित्व मैं और मेरी पत्नी उठते आ रहे हैं पी आई सी में भी स्थान नहीं दिया है ।नगर से लेकर क्षेत्र का कोई विकास नहीं हुआ है विकास के नाम पर केवल श्रेय लेने का काम किया जाता है जो विकास हम करते हैं उसको भी विधायक अपना बताते हैं। भ्रष्टाचार चरण सीमा पर है आम जनता की कोई सुनवाई नहीं हो रही है क्षेत्र की जनता मुझे चुनकर विधानसभा भेजेगा तो 6 महीने के अंदर हम सिरोंज को जिला बनाने का काम करेंगे हमेशा आम आदमी की तरह क्षेत्र की जनता जनार्दन से मैं मिलूंगा एक तरफ भाजपा से ऐसे उम्मीदवार है जो जनता से मिलते नहीं है दूसरी ओर कांग्रेस से ऐसे दावेदार हैं जिनको बोलना भी नहीं आता है । जनता को तय करना है कि उनके लिए काम करने वाला और उनका बेटा और हमदर्द बनकर कौन सेवा कर सकता है। उसको चुने दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी एक तरफ कहती है की अंतिम छोर व्यक्ति हम सम्मान देते हैं मैं दलित हूं आज तक पार्टी ने किसी भी संगठन के पद पर मुझे स्थान नहीं दिया बस हमारा उपयोग किया गया है इनके कहने और करने में बहुत अंतर है। उच वर्ग को ही ज्यादा महत्व दिया जाता है । सिरोंज में तो एक विशेष वर्ग को ही सुनवाई होती है बाकी किसी की कोई कीमत नहीं है । बहन मायावती के हाथ मजबूत होंगे और क्षेत्र की जनता जनार्दन हमारे साथ है। इसी तरह भीम आर्मी से गब्बर सिंह ने अपना नाम निर्देश पत्र जमा करने के बाद पत्रकारों से कहा कि भीम आर्मी शोषित वंचित पीड़ितों के लिए काम करती है क्षेत्र के दलितों को आज तक आगे बढ़ने का काम किसी विद्यालय नहीं किया है भीम आर्मी कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है पूरा दलित समाज और अन्य वर्ग भी हमारे साथ हैं इस बार भीम आर्मी को यहां से अपार्जन समर्थन मिलेगा फिर सभी समस्याओं का हम समाधान करेंगे क्षेत्र के लोगों से सुझाव लेकर हम काम करवाएंगे। एक और नामांकन फार्म कांग्रेस उम्मीदवार गगनेंद्र रघुवंशी के द्वारा भी शुक्रवार को जमा किया गया है। पहले जो नामांकन जमा किया गया था वहां मुहूर्त का था इसलिए एक बार फिर से नामांकन फार्म इनके द्वारा जमा किया गया है।

100 मी का नहीं हो रहा पालन

विधानसभा निर्वाचन अधिकारी के द्वारा 100 मीटर के दायरे में भीड़ को इकट्ठा नहीं होने के लिए दिशा निर्देश जारी किया इनका पालन करने जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की है पर उसके द्वारा इस को गंभीरता से पूर्ण नहीं किया जा रहा इसके चलते तहसील कार्यालय के गेट पर ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा रहती है। जबकि 100 मीटर के अंदर इस तरह की भीड़ एकत्रित नहीं हो सकती है सुबह 11 बजे से लेकर 3 बजे तक नामांकन फार्म जमा होता है उस समय तो आचार संहिता प्रभावी रूप से तहसील कार्यालय और 100 मीटर के दायरे में प्रभावित होती है । उसका पालन करने की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर रहती है । उनके द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसकी वजह से पालन होते हुए दिखाई नहीं दे रहा है ।अब देखना है कि आचार संहिता का तहसील कार्यालय के बाहर कड़ाई से पालन होगा या नहीं। इस मार्ग पर यातायात का दबाव रहता है, इसके बाद भी सड़क पर ही भीड़ जमा रहती है ।

नाम निर्देशन के लिए एक ही दिन शेष

सिवनी मालवा विधानसभा निर्वाचन के लिए चार नाम निर्देशन पत्र प्राप्त

सिवनी मालवा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिनांक 21 अक्टूबर से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 136 सिवनी मालवा के लिए नाम निर्देशन पत्र आयोग द्वारा निर्देशित समय में प्राप्त किया जा रहे हैं।

विधानसभा नाम निर्देशन पत्र 2023 अंतिम तिथि के एक दिन पूर्व चार नाम निर्देशन पत्र प्रमोद सिंह गुर्जर रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा 136 सिवनी मालवा के समक्ष प्राप्त हुए जिसमें(1) इंडियन नेशनल कांग्रेस से अजय सिंह पिता विजय सिंह पटेल जिनका ए एवं बी फार्म प्राप्त हुआ(2) भारतीय जनता पार्टी से प्रेम शंकर वर्मा पिता कुंजीलाल वर्मा(3) आम आदमी पार्टी से सुनील गौर पिता ब्रजकिशोर गौर फॉर्म ए एवं भी प्राप्त हुआ(4) समाजवादी जन परिषद से फागराम पिता नन्हेंलाल ए एवं बी फार्म प्राप्त हुआ नाम निर्देशन दाखिल करने के लिए अब एक ही दिन का समय शेष है क्योंकि शनिवार एवं रविवार अवकाश है। प्रमोद सिंह गुर्जर रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्र 30 अक्टूबर तक जमा होंगे 31 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की समीक्षा की जाएगी नाम निर्देशन पत्र वापस लेने वह चुनाव चिन्ह आवंटन की कार्यवाही 2 नवंबर 2023 को संपन्न होगी।

आचार संहिता का उल्लंघन करने पर बैनर पोस्टर हटाए

सिरोंज। आचार संहिता लागू होने के बाद भी राजनेतिक दलों के द्वारा शतकीय स्थानों पर प्रतिबंध होने के बाद भी बैनर पोस्टर झंडे आदि लगाने का काम किया जा रहा है। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी हर्षल चौधरी के नगर पालिका के अमले से इनको जप्त करवाया है।

कांग्रेस प्रत्याशी ने किया ग्रामों का दौरा पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील

सिरोंज लटेरी छेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी ने ग्राम भीला,आलमपुर, अमराई जगतपुर रईस का टपरा, सहरखेड़ा,ढिमरोली, मजरा में जनसंपर्क कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी का जगह जगह ग्राम वासियों ने स्वागत किया इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवम नेता मौजूद रहे।

उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा कार्तिक महोत्सव, होगी कथा चलेंगे एक माह कार्यक्रम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

हर वर्ष हर्ष उल्लास के साथ कार्तिक महोत्सव मनाया जाता इस बार भी आज से कार्तिक उत्सव प्रारंभ हो रहा है। पंचकुइया घाट प्रात 4 बजे से शुरू होगा जो 27 नवंबर तक चलेगा। पूरे कार्यक्रम प्रधान पुजारी पंडित नलिनी कांत शर्मा ज्योतिष आचार्य के मार्गदर्शन में संपन्न होंगे उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि कार्तिक महोत्सव एक महा चलेगा कार्तिक महोत्सव का आयोजन शीतला माता मंदिर पंचकुइयां घाट पर होगा जिसमें एक माह तक महिलाओं के स्नान एवं पुरुष स्नान व्यवस्था के पंडाल अलग-अलग लगाए गए हैं। कार्तिक महोत्सव में पंचकुइयों कुएं में सभी तीर्थ का जल मिलाया जाएगा और शहर वासियों को गंगा स्नान कराया जाएगा कार्तिक महोत्सव के दौरान प्रातः 4 बजे से स्नान एवं दीपदान तथा शाम को कपित केथन गंगा की आरती शाम 5 बजे होगी स्नान ,दीपदान, तुलसी पूजा आदि भक्तों से करवाई जायेगी इसके साथ श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भी होग श्रीमद् भागवत कथा 14 नवंबर शुरू होकर 20 नवंबर तक त्रिपुरा सुंदरी देवी शीतला मंदिर पंचकुइया होगी 30 नवंबर को शाम 5 बजे शीतला माता मंदिर पंचकुइयां से महामृत्युंजय महादेव की पालकी विमान यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई श्री मदन मोहन सरकार के मंदिर पहुंचेगी जहां शाम 7ः30 बजे हरिहर मिलन उत्सव कार्यक्रम होगा । साथ ही नगर परिक्रमा 21 नवम्बर को 7 बजे से प्रारंभ होगी जो प्राचीन तीर्थ स्थल कार्तिक घाट पर से शुरू होगी जो शीतला शक्ति त्रिपुरी सुंदरी देवी पंचकुइया पर पहुंचे कर समापन होगी कार्तिक महोत्सव एक महीने चलेगा सभी माता बहन एवं धर्म प्रेमी बंधुओ से अपील की जाती है कि कार्तिक महोत्सव में सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

एलबीएस कॉलेज ने रैली निकालकर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के अनुक्रम में आज महाविद्यालय के एनएसएस, एनसीसी ,स्पोर्ट्स के छात्र छात्राओं के साथ समस्त स्टाफ ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली रैली। रैली महाविद्यालय से प्रारंभ होकर छतरी नाका, लिंक रोड होते हुए पुनः महाविद्यालय में आकर समाप्त हुई। रैली में विद्यार्थी बैनर एवं तख्ती लिए हुए मतदाता जागरूकता से संबंधित नारे लगा रहे थे। छतरी नाका चौराहे पर लाइन बद्ध होकर मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई गई। काफी संख्या में विद्यार्थियों को रैली में देखकर आसपास के दुकानदार एवं आते-जाते ग्रामीण बड़ी उत्सुकता से रैली को देख रहे थे। उत्साह बढ़ाने के लिए रैली के साथ पूरा स्टाफ चल रहा था। मतदाता जागरूकता रैली का नेतृत्व क्रीडा अधिकारी डॉक्टर वसीम उल्ला खान ने किया।

एनसीसी प्रभारी महेश भाबोर एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी महेश चंद्र परमार रैली को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। रैली में सहभागिता के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत ने स्टाफ एवं विद्यार्थियों की प्रशंसा की।

मेट्रो एंकर मुगल सराय सेक्टर के एक दर्जन गाँवो में जनसंपर्क कर मांगा जनसमर्थन

उमाकांत को महिलाओं ने दी 'दक्षिणा' प्रचार के दौरान आई भाई की याद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा का प्रचार गति पकड़ता जा रहा है शुक्रवार को अपने एक दर्जन गाँव के जनसंपर्क के दौरान उन्हें समाज के सभी वर्गों का आशीर्वाद मिल रहा है। अपने जनसंपर्क के दौरान चुनाव लड़ने के लिए कोई बुजुर्ग अम्मा आशीर्वाद के साथ उनको दस रुपये टीका करके दे रही है तो कोई परिवार पाँच सौ रुपए का भी सहयोग कर रहा है। गाँव गाँव में पहले जैसे लक्ष्मीकांत शर्मा से मिलकर क्षेत्र की जनता अपना से आशीष लुटाते थे उनकी गैरमौजूदगी में वैसा ही प्रेम स्नेह ओर अपनापन उनके अनुज भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा को भी प्रदान कर रहे है शुक्रवार को अपने दौरे के दौरान अपने भाई लक्ष्मीकांत की कमी से भावुक हुए उमाकान्त शर्मा ने कहा कि लक्ष्मीकांत जी की बात और आपने पिछले चुनाव में भारी बहुमत से चुनाव जिताया था और मैने लगातार पूरे क्षेत्र के नागरिकों की ईमानदारी से सेवा करके आपके नाम को डूबने नही दिया। मैंने सदैव समाज के सभी वर्गों के नागरिको के साथ समानता का व्यवहार करके गरीब असहाय ओर कमजोर वर्ग के परिवारों की आवाज बनने की कोशिश की है। भ्रष्ट अधिकारियों को जेल तक भेजने का काम किया है अगर मेने सच्चे मन से आपकी सेवा की है तो आपका भरपूर आशीर्वाद मुझे लक्ष्मीकांत शर्मा मानकर ही मिले। उन्हकने कहा कि लक्ष्मीकांत शर्मा के जाने के बाद आप सब मेरा परिवार हो में अकेला हूँ तो आप सब मेरे भाई बनकर मेरा चुनाव लड़िए। धमउखेड़ी में अपनी बात रखने के बाद उन्होंने मुगलसराय पहुँचकर जनसंपर्क भी किया। जनसंपर्क दौरे के दौरान उन्होंने झंडवा सालरी,असदखेड़ी सहित क्षेत्र के गाँवो में देर रात तक अपनी बात रखी। इस दौरान इनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश यादव,महेंद्र सिंह दाँगी, रूपेश यादव,पूर्व जनपद अध्यक्ष संजीव माथुर,जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह,मंडल अध्यक्ष झार सिंह दाँगी,वीरेंद्र पालीवाल,माखन सिंह गुर्जर सहित क्षेत्र के नेतागण उपस्थित रहे।

पंकज सिंह ने चुनाव संचालन समिति के साथ कि बैठक

विधानसभा चुनाव की में बूथ स्तर की तैयारी ओर समीक्षा को लेकर नगर सिरोंज में विदिशा जिले के प्रभारी पंकज सिंह ने विधानसभा चुनाव संचालन समिति के सदस्यों के साथ एक बैठक की। बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ आगामी दृष्टिकोण के लिहाज से संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान विधानसभा संचालक चुनाव संचालक रमेश यादव, संयोजक कैलाश शर्मा, सहित सभी वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

आज से टीमों का वर्ल्ड कप के *विदाई मैचों* का आगाज

पूचेन्नई में खेले गये विश्व कप के 26वें मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की।इस जीत के साथ ही अफ्रीका टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, पाकिस्तान टीम के लिए सेमीफाइनल के दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं।अब बाबर की सेना अपने बचे हुए सभी मैच जीतने पर भी सेमीफाइनल खेलने के लिए किस्मत के भरोसे रहेगी। इस अहम मैच में पाकिस्तान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी को चुना, इसकी एकमात्र खास वजह साउथ अफ्रीका का वर्ल्ड कप में उसकाअसफल चेस इतिहास भी कहा जा सकता है। पाकिस्तान अपनी इस योजना में लगभग सफल भी हो गया था, लेकिन मैच के निर्णायक छणों मे अंपायर काल वाले अहम फैसले ने

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

उसके अरमानों पर पानी फेर दिया। मौजूदा वर्ल्ड कप में ही नीदरलैंड टीम के खिलाफ चेस फोबिया के तहत उलटफेर का शिकार हो चुकी साउथ अफ्रीका टीम के लिए यह जीत कुछ हद तक सुकून वाली कही जा सकती है,लेकिन विरोधी टीमों के लिए अफ्रीकी टीम को काबू में करने का भी फिलहाल यही सबसे बड़ा मंत्र मिल गया है।मतलब ताकतवर साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को वश में करने के लिए उनको पहले बल्लेबाजी का मौका देने से बचना होगा। वर्ल्ड कप 2023 के सबसे रोमांचक मुकाबले के बाद डबल हेडर सैटरडे के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम न्यूजीलैंड से धर्मशाला से भिड़ेगी,जबकि दूसरा मुकाबला बांग्लादेश और मुकाबला नीदरलैंड का कोलकाता में होगा।आज के दूसरे मुकाबले में वर्ल्ड कप से बाहर होने वाली पहली अधिकृत टीम तय होने के साथ ही यह सिलसिला भी शुरू हो जाएगा।इसके बाद होने वाले लगभग सभी मैचों में किसी न किसी टीम पर वर्ल्ड कप के विदाई मैच की तलवार लटकी रहने वाली है।वर्ल्ड कप के 3 सप्ताह गुजर जाने के बाद क्रिकेट का असल टकराव व रोमांच आने वाले 7 दिनों में चरम पर रहेगा।टेबल टॉप की दौ? से लेकर सेमीफाइनल की खींचतान के बीच कुछ टीमों की वर्ल्ड से अधिकृत विदाई आने वाले सप्ताह में ही तय होने वाली है।कौन बाजी मारेगा व कौन वर्ल्ड कप की रेस में पिछड़ जायेगा यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन एक बात तय है कि आज से होने वाले सभी मैंचों के फैसलों में कहीं न कहीं से दिलचस्प गणित तो रहने ही वाले हैं।

इंडिया के पास टेबल टॉपर बनने का मौका, पाक को आगे होने वाले सभी मैच जीतने होंगे

अब नेट रन रेट तय करेगा पाकिस्तान सेमीफाइनल में खेलेगा या नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड कप की लीग स्टेज के 26वें मैच में पाकिस्तान को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। न बाबर आजम की फिफ्टी काम आई और न ही शाहीन अफरीदी की पेस। कांटे की टक्कर वाले इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने 1 विकेट से जीत हासिल की। साउथ अफ्रीका टेबल के टॉप पर पाकिस्तान के खिलाफ पांचवां मैच जीतकर साउथ अफ्रीका पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर पहुंच गई है। टीम 6 मुकाबले खेल चुकी है। उसे अभी 3 मैच और खेलने हैं। अब टेबल में दूसरी पोजिशन पर टीम इंडिया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बराबर पॉइंट्स हैं। नेट रन रेट ज्यादा होने की वजह से साउथ अफ्रीका ऊपर है। लीग स्टेज में भारत के 4 मुकाबले बाकी हैं। तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड है।

जीत से सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी भारतीय टीम

भारतीय टीम विश्व कप 2023 में अभी तक एक भी मैच नहीं हारी है। दूसरी तरफ इंग्लैंड 5 में से 4 मैच गंवा चुकी है। अब इस मैच को जीत टीम इंडिया सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का करना चाहेगी। हालांकि, भारत में हुए विश्वकप मैचों का इतिहास देखें तो इंग्लैंड इंडिया से इंडिया में कभी हारा नहीं है। दोनों देश के बीच में इंडिय में विश्वकप का पहला मैच 1987 में हुआ था। ऐसे में 36 साल से अपनी सरजमीं पर इग्लैंड को न हरा पाने वाले दाग को धोने का भारतीय टीम के पास इससे अच्छा मौका नहीं हो सकता है। लखनऊ में विश्वकप के 48 साल के इतिहास में पहली बार विश्वकप का आयोजन होने जा रहा है। यूपी में इससे पहले साल 1987 और 1996 में कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में मैच खेला जा चुका है। 1987 में श्रीलंका और इंग्लैंड और 1996 में भारत और जिम्बाबे के बीच मैच हुआ था। इस विश्वकप में अभी तक तीन मैच लखनऊ में हुए हैं। ऐसे में इकाना एक ही बार के आयोजन में मैचों की संख्या के मामले में कानपुर से आगे निकल जाएगा।

पाकिस्तान के सेमीफाइनल खेलने का समीकरण

पाकिस्तान लगातार चार मुकाबलों में हार का सामना कर चुकी है। इतने मैच हारने के बाद भी अगर वो बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के साथ होने वाले अगले मुकाबलों में जीत हासिल करे, तो उसके 10 पॉइंट्स हो जाएंगे। इतने पॉइंट्स के साथ वो सेमीफाइनल की रेस में बनी रह सकती है, लेकिन इसका फैसला नेट रन रेट से हो सकता है। भारत का अगला मैच इंग्लैंड से है। जिसे जीतकर वो फिर से टॉप पोजिशन पर आ सकेगा। इंग्लैंड के बाद टीम इंडिया के अगले मुकाबले श्रीलंका, साउथ अफ्रीका और नीदरलैंड से हैं। भारत ये सारे मैच जीते तो 18 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल के टॉप पर लीग स्टेज को खत्म कर सकता है। वनडे वर्ल्ड कप में इंग्लैंड और पाकिस्तान का हाल लगभग एक जैसा हो गया है। दोनों ही टीमें 4-4 मुकाबले हार चुकी हैं, बस पाकिस्तान ने डिफेंडिंग चैंपियन से एक मैच ज्यादा जीता है।

पिछले विश्वकप 2019 में 337 रन बना कर इंग्लैंड जीता था

पिछले विश्वकप यानी 2019 का आयोजक इंग्लैंड था। बर्मिंघम में टीम इंडिया का सामना इंग्लैंड के साथ हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 337 रन बनाए। जवाब में टीम इंडिया ने 50 ओवर में पांच विकेट पर 306 रन बनाए। इसमें रोहित का शतक और कोहली का अर्धशतक बेकार गया। इंग्लैंड तब 27 साल बाद विश्वकप में भारत के खिलाफ जीता था। इससे पहले इंग्लैंड से 1992 में ऑस्ट्रेलिया में हुए विश्वकप के मैच में भारत को हराया था। जबकि 1999, 2003 में उसको हार मिली थी। जबकि 2011 का मुकाबला ड्रा रहा है। दोनों टीम के बीच एक ऐसा रिकॉर्ड है, जो रन मशीन विराट कोहली को पसंद नहीं आएगा। दरअसल, 1975 में हुए पहले मुकाबले से लेकर 2019 में हुए आठवें मुकाबले तक दोनों टीम की तरफ से 6 शतक लगे हैं। लेकिन हर बार शतक ओपनर बल्लेबाज ने ही लगाया है।

साउथ अफ्रीका के ही क्विंटन डी कॉक 431 रन के साथ टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर

पाकिस्तान इस वक्त 6 मैचों में 2 जीत के बाद 4 पॉइंट्स लेकर छठे स्थान पर है। वहीं एक विकेट से रोमांचक जीत के बाद साउथ अफ्रीका पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया। साउथ अफ्रीका के ही क्विंटन डी कॉक 431 रन के साथ टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर हैं। वहीं ऐडन मार्करम दूसरे नंबर पर हैं, उनके 356 रन हैं। टॉप विकेट टेकर में पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन दूसरे और तीसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा भी 13 विकेट के साथ टॉप पर हैं। लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर 29 अक्टूबर को इंडिया और इंग्लैंड के बीच मैच होने जा रहा है। दोनों टीम लखनऊ पहुंच चुकी हैं। दोनों टीम का विश्वकप में पिछले दो मैच का रिकॉर्ड देखे तो पाएंगे कि जब भी इनके खिलाड़ी पिच पर आए हैं, रनों की बारिश होती रही है। साल 2011 और 2019 में, दोनों ही टीमों ने हर बार 300 से ज्यादा का स्कोर बनाया। इंग्लैंड की तरफ से टिम ब्रेसनेन ने 5 विकेट झटके। 339 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम का दारोमदार कप्तान स्ट्रॉस ने अपने कंधों पर लिया और 158 रन बनाए।

वर्ल्ड कप में आज होंगे दो मुकाबले दोनों ही अहम

पहला मैच ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड और दूसरा बांग्लादेश व नीदरलैंड के बीच खेला जाएगा

धर्मशाला, एजेंसी

वनडे वर्ल्ड कप में आज दो मुकाबले (डबल हेडर) खेले जाएंगे। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना न्यूजीलैंड से होगा। मैच धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होगा। दूसरा मैच बांग्लादेश और नीदरलैंड के बीच खेला जाएगा। यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में होगा। अगर ऑस्ट्रेलिया आज जीतती है तो उसकी टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार तीसरी जीत होगी। ऑस्ट्रेलिया को 2015 और 2019 वाले वर्ल्ड कप में जीत मिली थी।

दोनों टीमों का इस वर्ल्ड कप में छठा मैच: दोनों टीमों का इस वर्ल्ड कप में छठा मैच रहेगा। ऑस्ट्रेलिया को 5 में से तीन में जीत और दो में हार मिली है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड को पांच में से चार में जीत और केवल एक मैच में हार मिली है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 141 वनडे खेले गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 95 और न्यूजीलैंड ने 39 मैच जीते। 7 मैच बेनतीजा रहे। वनडे वर्ल्ड कप में भी ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी है। टूर्नामेंट में दोनों के बीच 11 मैच हुए। 8 में

रचिन रवींद्र ने सबसे ज्यादा रन बनाए

न्यूजीलैंड की ओर से टूर्नामेंट में टॉप स्कोरर रचिन रवींद्र हैं। उन्होंने एक सेंचुरी और दो हाफ सेंचुरी लगाई है। बॉलिंग में मिचेल सैंटनर टॉप विकेटटेकर है, उन्होंने 5 मैचों में 12 विकेट लिए हैं। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित होती है। इस मैदान पर अब तक 8 वनडे खेले गए हैं। पहली इनिंग में बैटिंग करने वाली टीम ने 3 और चेज करने वाली टीम ने 5 मैच जीते हैं। धर्मशाला का शनिवार को मौसम साफ नहीं रहेगा। बदल छाए रहेंगे और ठंड रहेगी। बारिश की 2 फीसदी आशंका है। तापमान 29 से 15 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा।

डेविड वॉर्नर टॉप स्कोरर

इस वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनर डेविड वॉर्नर ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक है। वहीं गेंदबाजी में एडम जम्पा ने सबसे ज्यादा विकेट झटके है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

पूजा बत्रा ने शादी के लिए छोड़ दी थी फिल्म इंडस्ट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा बत्रा पूजा ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा की लगभग 30 फिल्मों में अभिनय किया है, हालांकि उन्हें कभी एक पॉपुलर एक्ट्रेस का दर्जा हासिल नहीं हुआ। उनकी पहली फिल्म विरासत थी जिसमें वो अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आई थीं। हालांकि कुछ समय बाद ही एक्ट्रेस इंडस्ट्री से दूर हो गईं। पूजा ने शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला किया था। उन्होंने 2002 में लॉस एंजिलिस, कैलिफोर्निया में रहने वाले ओर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस अहलूवालिया से शादी की थी। 27 अक्टूबर 1976 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद में जन्मीं पूजा बत्रा ने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। पूजा ने साल 1993 में मिस इंडिया ब्यूटी पेजेंट जीतने के बाद भारत को मिस इंटरनेशनल में रिप्रेजेंट किया था। इसके बाद से ही पूजा का नाम भारत की टॉप मॉडल्स में लिया जाने लगा। पूजा से पहले उनकी मां भी सालों पहले मिस इंडिया पेजेंट का हिस्सा रह चुकी हैं। मॉडलिंग के दिनों में पूजा ने 250 से ज्यादा शोज और एड कैंपेन किए थे। कामयाब मॉडल बनने के बाद पूजा को कई बॉलीवुड फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे, लेकिन उन्होंने पढ़ाई के लिए सारे ऑफर ठुकरा दिया। पढ़ाई पूरी होने के बाद पूजा ने फिल्म विरासत साइन की जो एक ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई। एक्ट्रेस भाई, हसीना मान जाएगी, कहीं प्यार ना हो जाए, नायक जैसी कई फिल्मों में नजर आईं। शादी के कुछ समय बाद दोनों के रिश्ते में दरार आ गई और फिर उन्होंने 9 साल बाद यानी 2011 में तलाक के लिए अर्जी लगा दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूजा की शादी इसलिए टूटी क्योंकि वो मां नहीं बनना चाहती थीं जबकि उनके पति सोनू फैमिली बढ़ाना चाहते थे। दोनों के बीच इस मुद्दे पर टकराव की स्थिति बनी और फिर इनका तलाक हो गया। इसके बाद पूजा इंडिया वापस आ गई थीं। पहली शादी टूटने के बाद पूजा ने 42 साल की उम्र में टाइगर जिंदा है एक्टर नवाब शाह से साल 2019 में शादी की। दोनों ने आर्य समाज के रीति रिवाजों से शादी की थी। पूजा ने इंटरव्यू में कहा था-नवाब और मैंने दिल्ली में शादी की। इस दौरान हमारा परिवार मौजूद था। एक दिन मुझे यह एहसास हुआ कि नवाब ही वो इंसान हैं जिनके साथ मैं अपनी बाकी जिंदगी बिताना चाहती हूं।

टाइगर ने फैंस के लिए गाया गाना

टाइगर श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वो गाना गाते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- 'ये गाना मेरे टाइगेरियंस के लिए है। आपके लगातार सपोर्ट के लिए धन्यवाद आर्मी।' टाइगर की फिल्म गणपत हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म के लिए फैंस का प्यार देखते हुए टाइगर ने नए अंदाज में इस गाने के जरिए अपने फैंस को थैंक्यू कहा है। उनके फैंस ये गाना काफी पसंद कर रहे हैं। कुछ यूजर्स ने ये भी कहा है- हम आपको फिल्मों में गाना गाते हुए देखना चाहते हैं। फिल्म गणपत में टाइगर-कृति की जोड़ी हीरोपंती के बाद एक बार फिर इस फिल्म में नजर आई। फिल्म की शुरुआत एक काल्पनिक दुनिया से होती है। एक तरफ अमीर लोग रहते हैं और दूसरी तरफ गरीब। उनके

बीच एक दीवार है। अमीरों ने एक वक्त पर गरीबों का शोषण किया होता है। गरीबों की बस्ती से निकला गुड्डू (टाइगर श्रॉफ) अपने लोगों का बदला लेता है। गुड्डू ही गणपत है और उसका लक्ष्य क्या है, पूरी फिल्म की स्टोरी इसी के इर्द-गिर्द घूमती है। कहानी का प्लॉट थोड़ा बहुत हॉलीवुड फिल्मों से मिलता जुलता है।

खूबसूरत था टर्किश हमाम का सेट- मिशेल

सलमान खान और कटरीना कैफ की अगली फिल्म टाइगर 3 है। यह दिवाली के मौके पर 12 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में हॉलीवुड एक्ट्रेस और स्टंटवुमन मिशेल ली भी अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। मिशेल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कटरीना कैफ के साथ शूटिंग के एक्सपीरियंस शेयर किए। साथ ही उन्होंने उस टॉवेल फाइट सीन पर भी बात की जो टाइगर 3 के ट्रेलर रिलीज होने के बाद से टॉकिंग पॉइंट बना हुआ है। मिशेल ने बताया कि इस सीक्वेंस को शूट करने से पहले कटरीना और उन्होंने करीबन दो हफ्तों तक रिहर्सल की थी। मिशेल ने कहा, 'मैं सरप्राइज्ड नहीं हूं। यह तब भी एपिक था जब हम इसे शूट कर रहे थे। हमने इसे शूट करने से पहले दो हफ्तों तक इसकी प्रैक्टिस की थी। इसके लिए एक टर्किश हमाम का सेट बनाया गया था जो बहुत ही खूबसूरत था और वहां फाइट करना हमारे लिए मजेदार था। एक इंटरनेशनल फिल्म पर काम करने हमेशा मजेदार होता है।' मिशेल ने इस सीक्वेंस के दौरान कटरीना के डेडीकेशन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'कटरीना ने इस सीन में बहुत ही प्रोफेशनल काम किया है। उन्होंने इस पर काफी मेहनत की। उनके कोरियोग्राफी एक्सपीरियंस ने इस सीक्वेंस को आसान बनाने में मदद की। हमने इस सीन के लिए खूब पसीना बहाया।'

मेट्रो बाजार

जियो स्पेस फाइबर किफायती कीमतों पर अवेलेबल होगा

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 इवेंट में रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने जियो स्पेस फाइबर टेक्नोलॉजी पेश की। जियो की यह टेक्नोलॉजी दूरदराज के इलाकों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाएगी। प्रगति मैदान में पहला स्टॉल जियो इंफोकॉम का है। आकाश अंबानी ने पीएम मोदी को जियो एयर फाइबर, स्पेस फाइबर समेत अन्य टेक्नोलॉजी की जानकारी दी। यहां जियो भारत डिवाइस को भी डिस्प्ले किया गया है। इस फोन को भी प्रधानमंत्री ने देखा। जियो स्पेस फाइबर एक सैटेलाइट बेस्ड गीगा फाइबर टेक्नोलॉजी है, जो उन दुर्गम इलाकों को कनेक्ट करेगा जहां फाइबर केबल से ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाना मुश्किल भरा काम है। जियो स्पेस फाइबर सर्विस पूरे देश में बेहद किफायती कीमतों पर अवेलेबल कराई जाएगी। भारत के चार सबसे दूरस्थ स्थानों को पहले ही जियो स्पेस फाइबर से जोड़ा जा चुका है। यह इलाके-गिर (गुजरात), कोरबा, नबरंगपुर और जोरहाट (असम) हैं। इस सर्विस के लिए सैटेलाइट टेलीकम्युनिकेशन कंपनी के सैटेलाइट्स का इस्तेमाल होगा। यह टेक्नोलॉजी सैटेलाइट रिसीवर डिश के जरिए इंटरनेट ट्रांसमिट करने के लिए रेडियो वेव्स का इस्तेमाल करती है, जो एक मॉडेम से जुड़ा होता है। यह टेक्नोलॉजी एक जीबी प्रति सेकंड तक की इंटरनेट स्पीड देने में सक्षम है। जियो फाइबर और जियो एयर फाइबर के बाद रिलायंस जियो के कनेक्टिविटी पोर्टफोलियो की यह तीसरी बड़ी टेक्नोलॉजी है। दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 इवेंट में जियो ने जियो स्पेस फाइबर टेक्नोलॉजी प्रदर्शित की है। जियो ने भारत में लाखों घरों और व्यवसायों को पहली बार ब्रॉडबैंड इंटरनेट प्रोवाइड कराया।

नोकिया-105 क्लासिक 999 में हुआ लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी। कीपेड मोबाइल चलाने वाले लोगों के लिए नोकिया ने नया फीचर फोन नोकिया 105 क्लासिक भारत में लॉन्च किया है। कंपनी ने नोकिया 105 क्लासिक की शुरुआती कीमत 999 रुपए रखी है। नोकिया 105 क्लासिक सिम सपोर्ट के अनुसार दो मॉडल्स में सेल किया जाएगा। एक में जहां सिंगल सिम स्लॉट दिया जाएगा, वहीं दूसरे मॉडल में कस्टमर को डुअल सिमकार्ड का ऑप्शन मिलेगा। दूसरे मॉडल की कीमत अभी अनाउंस नहीं की गई हैं। यूजर इस नोकिया फीचर फोन को चारकोल और ब्लू कलर में खरीद पाएंगे। इसके अलावा नोकिया इस फीचर फोन के साथ एक साल की फ्री रिप्लेसमेंट गारंटी भी दे रही है। यानी फोन में अगर कोई खराबी हुई तो ग्राहक को नया मोबाइल दिया जाएगा। यूजर्स इस बटन वाले फोन से इंटरनेट के बिना यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे, जो इसे खास बनाती है। नोकिया 105 क्लासिक पीआई 123 पे सपोर्ट करता है। इस फीचर की मदद से फोन में बिना इंटरनेट के भी पीआई ट्रांजेक्शन्स की जा सकती है। इस बटन वाले फोन में एफएम रेडियो दिया गया है। इंटरटेनमेंट के लिए इसका इस्तेमाल हेडफोन जैक के साथ ही वायरलेस तरीके से भी किया जा सकता है। पावर बैकअप के लिए यह फीचर फोन में 800 एमएच की बैटरी दी गई है। एक बार फुल चार्ज करने पर यह बैटरी कई दिनों तक लगातार फोन को चालू रख सकती है। नोकिया ने अभी फोन की पूरी स्पेसिफिकेशन्स शेयर नहीं की हैं।

दो टीम आरोपी अर्चना सैनी को लेकर दिल्ली पहुंची, महिला डॉक्टर की तलाश भी जारी

मानव तस्करी का मामला
एसआईटी का गठन, छह सदस्यीय टीम करेगी जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बच्चों का अपहरण और खरीद फरोख्त करने वाले आरोपी अभी पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस की टीम उनसे पूछताछ कर रही है, लेकिन वह पुलिस के सामने अपना मुंह नहीं खोल रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी (स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम) का गठन कर दिया गया है। छह सदस्यीय एसआईटी को नेतृत्व कोतवाली टीआई काशीराम कर रहे हैं। इसमें सब-इस्पेंकटर, महिला एएसआई को भी शामिल किया गया है। पुलिस की एक टीम गुरुवार को दिल्ली पहुंच गई थी, जबकि शुक्रवार सुबह एक अन्य टीम गिरोह की मास्टमाइंड अर्चना सैनी को लेकर दिल्ली रवाना हुई। टीम अर्चना की

निशानदेही पर बच्चों की खरीद-फरोख्त करने वाली कथित महिला डॉक्टर की तलाश कर रही है। डीसीपी रियाज इकबाल ने बताया कि एसआईटी के अलावा क्राइम ब्रांच की टीम भी दिल्ली, फरीदाबाद में गिरोह से जुड़े संदिग्धों की धरपकड़ करने में जुटी हुई हैं। महिला डॉक्टर की गिरफ्तारी के बाद और भी चौकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि शनिवार सुबह करीब 10 बजे कर्फ्यू वाली माता मंदिर के बाहर अपनी मां लक्ष्मी के साथ भोजन-प्रसादी के लिए बैठीं 8 साल की काजल, 11 माह की उसकी बहन दीपावली को दो महिलाएं कन्या भोजन कराने के बहाने अपहरण कर ले गई थीं। सोमवार रात क्राइम ब्रांच पुलिस ने कोलार इलाके के इंग्लिश विला में दबिश देकर अपहरणकर्ताओं के पास से दोनों बच्चियों को सकुशल बरामद किया था। पुलिस ने मामले में अपहरणर्ता गुड़गांव, हरियाणा निवासी अर्चना सैनी (38), मूलतः केरल निवासी उसके पति निशांत (32), बेटे सूरज (18), सूरज की गर्लफ्रेंड मुश्कान को हिरासत में लिया है।

भागने के प्रयास में हुई थी काजल से मारपीट

मंदिर से अपहरण के बाद आरोपी महिलाएं सगी बहनों को लेकर इंग्लिश विला कैंपस स्थित किराए के मकान में लेकर पहुंची थी। कुछ देर बाद काजल आरोपियों को चकमा देकर भाग निकली। गिरोह ने उसकी तलाश की और 500 मीटर की दूरी पर वह मिल गई थी। वह दौबारा भागने का प्रयास न करें इसलिए अर्चना उसे घर ले आई और गिरोह के सदस्यों ने काजल के साथ बेरहमी से मारपीट की और उसका वीडियो भी बनाया था। इतना ही नहीं उसकी 11 माह की छोटी बहन को रोने पर मारा था। पुलिस को इसके आरोपियों के मोबाइल में वीडियो मिले थे।

अब किराएदारों का होगा सत्यापन

कोलार के इंग्लिश विला कैंपस में गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद एक बार फिर पुलिस का ध्यान किराएदारों के सत्यापन पर आया है। अब पुलिस कह रही है कि किराए से रहने वालों का सत्यापन कर रिकार्ड रखा जाएगा। हबीबगंज पुलिस ने अपने क्षेत्र के किराएदारों का सत्यापन शुरू भी कर दिया है। पुलिस किराएदारों से 18-20 बिंदुओं पर जानकारी भर रही है।

पिता की डांट से नाराज भाई-बहन जा रहे थे दिल्ली, रेलवे स्टेशन से पुलिस ने तलाशा

फाइल फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुनगा इलाके में रहने वाले नाबालिग भाई-बहन घर से बगैर बताए लापता हो गए। काफी तलाश करने के बाद भी जब उनका कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने थाने पहुंचकर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों बच्चों को भोपाल रेलवे स्टेशन के पास से दस्तयाब कर लिया। पूछताछ में पता चला है कि दोनों घरवालों से नाराज होकर दिल्ली जाने वाले थे। पुलिस ने परिजनों को बच्चों के साथ डाट-फटकार नहीं करने को लेकर समझाईश दी है।

थाना प्रभारी अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि ग्राम रोड़िया थाना गुनगा में रहने वाली 13 साल की बालिका अपने 11 साल के छोटे भाई के साथ दशहरे के दिन सुबह करीब 6 बजे घर से बगैर बताए कहीं चली गई। दो दिनों तक लगातार तलाश करने के बाद भी जब दोनों का कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने गुरुवार रात थाने पहुंचकर बच्चों के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने बच्चों की तलाश में एक विशेष टीम बनाई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भाई-बहन को भोपाल रेलवे स्टेशन के पास घूमते हुए सकुशल बरामद कर लिया। समझाईश के बाद उन्हें परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। पूछताछ में पता चला कि बच्चे घर से बगैर बताए कहीं भी चले जाया करते थे, इसको लेकर पिता ने उन्हें फटकार लगाई थी। इससे दोनों नाराज हो गए और दिल्ली जाने का मन बनाकर घर से भाग निकले। वह दिल्ली जा पाते, उसके पहले ही पुलिस ने उन्हें तलाश लिया।

औबेदुल्लागंज से अशोका गार्डन लौटते समय हुआ हादसा, ड्राइवर समेत दो गंभीर

नर्मदापुरम रोड पर तेज रफ्तार कार पलटी, गेट खुलने से दबा युवक, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित नर्मदापुरम सड़क पर मिलन रेस्टोरेंट के पास बीती रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के समय कार में ड्राइवर समेत तीन लोग थे। कार रफ्तार में होने के कारण पलटने के बाद करीब पचास मीटर तक घिसटती थी। इस हादसे में कार में बैठे युवक की मौत हो गई। दरअसल, कार घिसटने के बाद कार का गेट खुल गया था और कार की बॉडी के नीचे दबने से युवक को गंभीर चोट आई थीं। इस हादसे में ड्राइवर समेत दो अन्य लोगों को भी चोट आई हैं। उनका इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार सुग्रीव पात्रा उर्फशानू पात्रा पिता चंद्रमोहन पात्रा (36) लाला लाजपत राय कॉलोनी, रायसेन रोड पर रहते थें। उनका पुराने शहर में प्रिंटिंग प्रेस का काम है। शुक्रवार रात वह अपने साथी परेश चतुर्वेदी के साथ कार से औबेदुल्लागंज स्थित राजहंश ढाबा खाना खाने गए थे। कार ड्राइवर विनोद चल रहा था। तीनों रात करीब साढे 12 बजे ढाबा पर पहुंचे थे। इस दौरान पता चला कि ढाबा बंद हैं। तीनों वहां से लौट गए। कार विनोद चला रहा था। कार मिलन रेस्टोरेंट महर्षि विश्वविद्यालय के गेट के पास पहुंची ही थी कि अनियंत्रित होकर पलट गई। जिस समय कार पलटी उस समय कार काफी रफ्तार में थी और पलटने के बाद भी करीब पचास मीटर तक घिसटती हुई गई।

गेट खुलने से बाहर आया सुग्रीवः हादसा रात करीब 1 बजे के आसपास का बताया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में मौजूद युवकों को बाहर निकाला, जबकि सुग्रीव की लाश कार से दूर सड़क पर मिलीड़थी। अनुमान है कि हादसे के समय कार का गेट खुल गया था और चलती कार पलटने से सुग्रीव बाडी के नीचे दब गया था।

ट्राले में दबने से युवक की मौत, वायर खाली करते समय हादसा

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित रत्नागिरी तिराहा पर ट्राले में दबने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा भेल में वायर लेकर आए हुए ट्राले से हुआ है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने उक्त मामले में ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर ट्राला जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार भूपेंद्र कुशवाह पिता मानसिंह कुशवाह (30) गांव भाड़पुर, जिला शाजापुर में रहता था और भेल में प्राइवेट काम करता था। गुरुवार रात ट्राला राजस्थान से माल लेकर भोपाल आया था। ट्राले में भेल के वायर बंडल रखे हुए थे। बंडल उतारने के लिए भूपेंद्र कुशवाह पहुंचा था। भूपेंद्र को ट्राला खाली करने का ज्ञान अच्छा था। वह पूर्व में भी कई बार ट्राले से वायर खाली कर चुका था। रात करीब तीन बजे के आसपास वह ट्राले से वायर बंडल खाली कर रहा था। इस बीच ट्राले पर साइड से चढ़ा था, तभी ट्राले के ड्राइवर को ट्राला आगे बढ़ा दिया। ट्राला आगे बढ़ने से भूपेंद्र नीचे गिर गया और उसके पैर की जांघ के पास से ट्राला का पहिया गुजर गया। इस हादसे में उसका पैर बुरी तरह से चिपट गया था। वहां मौजूद अन्य मजदूर भूपेंद्र को लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां सुबह करीब छह बजे के आसपास भूपेंद्र की मौत हो गई।

गुमशुदा बालक को तलाश कर परिजनों को सौंपा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन पुलिस ने इलाके से लापता हुए एक नाबालिग बालक को सकुशल तलाशकर उसे परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस के मुताबिक सुंदर नगर में रहने वाला 13 साल का एक बालक बुधवार रात घर से बगैर बताए कहीं चला गया। तलाश करने के बाद भी जब बच्चे का कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने थाने पहुंचकर उसके

अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण पुलिस की एक विशेष टीम बच्चे की तलाश में लगाई गई। शुक्रवार को बालक को बरामद कर उसे घरवालों को सौंप दिया गया है।

टाई साल के बेटे की बीमारी से हुई मौत के बाद डिप्रेशन में थी महिला

महिला ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में मौत के लिए खुद बताया जिम्मेदार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ढाई साल के बेटे की बीमारी की वजह से मौत के बाद डिप्रेशन में चली गई महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन वो सामान्य नहीं हो पा रही थी। पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें महिला ने खुद को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। पुलिस के अनुसार परवलिया सड़क इलाके में रहने वाली महिला रीना राव पति अर्जुन राव रातीबढ़ गांव परवलिया सड़क गृहिणी थी। उसके पिता जेसीबी के ड्राइवर हैं, गुरुवार की शाम को ड्यूटी पर थे। इसी बीच रीना ने घर के पिछले हिस्से में स्थित एक पेड़ पर फंदा बनाकर फांसी लगा ली। उसका चार साल का बेटा मां के पांव से लिपटकर बिलख-बिलख कर रो रहा था। जिसकी आवाज पड़ोसियों ने सुनी। घर में चेक करने पहुंचे तो रीना का शव फंदे पर लटका दिखा।

चेक बाउंस के 10 मामलों में फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी पुलिस ने चेक बाउंस के 10 मामलों में फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2019 से अपने ठिकाने से गायब था, जिसे तकनीकी सहायता और गोपनीय सूचना के आधार पर पकड़ा गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी छत्रपाल उर्फ सीपी मिश्रा (59) कुंदन नगर खजूरी कला अवधपुरी

का कहने वाला है। उसके खिलाफ चेक बाउंस के दस अलग-अलग मामलों में कोर्ट द्वारा स्थाई वारंट जारी किये गए थे, जिसे अवधपुरी पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।

मेट्रो एंकर **एमपी नगर गई थी सामान खरीदने तभी की छेड़छाड़**

युवती के साथ सहेलियों ने की मारपीट, दोस्त ने छेड़ा, पुलिस ने दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर दो सहेलियों और उनके दोस्त के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मंडीदीप रायसेन निवासी 21 वर्षीय युवती जहांगीराबाद इलाके में रहती है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। वहीं रहने वाली दो अन्य युवतियों से उसकी जान-पहचान है। बुधवार रात करीब दस बजे युवती कुछ सामान खरीदने के लिए एमपी नगर गई थी, जहां उसकी दोनों युवतियों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर दोनों ने युवती के साथ मारपीट कर दी, जबकि उनके साथ मौजूद रोबिन नामक युवक ने युवती के साथ अश्लील हरकत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवती का रास्ता रोककर युवक ने की अश्लील हरकत

बागसेवनिया पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर परिचित युवक के खिलाफ रास्ता रोककर छेड़छाड़ और विरोध करने पर मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक बीस वर्षीय युवती प्रायवेट काम करती है। वह पहले जिस कालोनी में रहती थी, वहां रहने वाले धीरज बंसल नामक युवक से उसकी जान-पहचान थी। एक ही मोहल्ले में रहने के कारण दोनों के बीच बातचीत भी होती थी। बाद में युवती दूसरे जगह रहने के चली गई और धीरज से बातचीत करना बंद कर दिया। उसके बाद से वह युवती का पीछा कर उसे परेशान करने लगा। बीती 21 अक्टूबर की शाम करीब पांच बजे युवती एम्स अस्पताल के पास से निकल रही थी, तभी धीरज ने उसका रास्ता रोक लिया और बुरी नीयत से हाथ पकड़ कर अश्लील हरकत करने लगा। युवती ने जब इसका विरोध किया तो धीरज ने मारपीट कर दी और भाग निकला।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022